हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्ष:- 02, अंक:-194, पृष्ठ:-08, मूल्य:- 2 रु.

लखनऊ, शनिवार 28 दिसम्बर 2024

कमलापुरः बड़ा सवाल, आखिर किसकी सरपरस्ती में बेखौफ...02

ब्लाक कसमंडा की जगदीशपुर ग्राम पंचायत चढ़ी भृष्टाचार की...06

सोना 100 महंगा हुआ, चांदी में गिरावट रही

IRCTC की वेबसाइट और ऐप डाउन, 2500 शिकायतें रिपोर्ट

सेंसेक्स 226 अंक की तेजी के साथ 78,699 पर बंद

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड मक्की की पाकिस्तान में मौत

लाल किले पर हमले में भी शामिल था, 2023 में ग्लोबल आतंकी घोषित हुआ

इस्लामाबाद, एजेंसी। मुंबई हमलों के साजिशकर्ताओं में शामिल हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की मौत हो गई। मक्की हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का रिश्तेदार था और प्रतिबंधित जमात-उद-दावा का उपप्रमुख भी था। उसने शुक्रवार को लाहौर में दिल का दौरा पड़ने से दम तोड़ दिया। पाकिस्तान के टीवी चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। मक्की लश्कर का वांछित आतंकवादी था। वह लश्कर नेता हाफिज सईद का साला भी था। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मक्की पिछले कुछ दिनों से बीमार था और लाहौर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। उसका शुगर लेवल काफी बढ़ा हुआ था। मई 2019 में मक्की को पाकिस्तान में गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद उसे लाहौर में नजरबंद कर दिया गया था। 2020 में एक पाकिस्तानी अदालत ने उसे आतंकी वित्तपोषण से जुड़े मामलों में भी दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद से उसकी अधिक चर्चा नहीं हुई। जनवरी 2023 में मक्की को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से भी वैश्विक आतंकवादी भी घोषित किया गया था।

भारत में सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था

मुंबई आतंकी हमलों के अलावा मक्की लाल किला हमले में शामिल होने के कारण भारत में सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था। लाल किले पर हमले की घटना को 22 दिसंबर, 2000 को अंजाम दिया गया था। इस हमले में भी मक्की का ही हाथ था। हमले में लश्कर के छह आतंकवादियों ने लाल किले पर धावा बोला था और किले की सुरक्षा कर रहे सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की थी।

अनशन कर रहे डल्लेवाल कल सुप्रीम कोर्ट से ऑनलाइन जुड़ेंगे

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 32 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल की सेहत को लेकर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि डल्लेवाल को दी जा रही मेडिकल मदद जारी रहे। ऐसा लग रहा है कि पंजाब सरकार ऐसा नहीं कर रही है। कल पंजाब सरकार रिपोर्ट पेश करें। अदालत पंजाब के चीफ सेक्रेटरी के खिलाफ कंटेप्ट पिटीशन पर सुनवाई कर रही है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कहा- अगर वहां लॉ इंड ऑर्डर की स्थिति है तो इसे सख्ती से निपटना चाहिए। किसी की जिंदगी दांव पर है, पंजाब सरकार को इसे गंभीरता से लेना होगा। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम कल सुनवाई के दौरान जगजीत डल्लेवाल से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात करेंगे। उसके बाद कोई आदेश देंगे। कोर्ट की पहली प्राथमिकता उनकी जिंदगी है। डल्लेवाल फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के कानून की मांग कर रहे हैं।

मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा आज सुबह 9.30 बजे

पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा, मोदी-शाह ने घर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया। वे 92 साल के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उनके आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इधर, केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि दी गई और शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मनमोहन लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली एम्स लाया गया था। हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। उनकी अंतिम यात्रा शनिवार 28 दिसंबर को सुबह 9:30 बजे दिल्ली स्थित एआईसीसी (ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी) मुख्यालय से शुरू होगी। यह जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। उन्होंने बताया- शनिवार सुबह 8 बजे डॉ. सिंह का पार्थिव शरीर उनके आवास से एआईसीसी मुख्यालय लाया जाएगा, जहां सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे तक लोग और कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धांजलि दे सकेंगे। मनमोहन सिंह, 2004 में देश के 14वें प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने मई 2014 तक इस पद पर दो कार्यकाल पूरे किए थे। वे देश के पहले सिख और सबसे लंबे समय तक रहने वाले चौथे प्रधानमंत्री थे। मनमोहन सिंह के निधन के चलते केंद्र सरकार ने 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। साथ ही शुक्रवार को होने वाले सभी कार्यक्रम कैंसिल कर दिए गए हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बेलगावी से देर रात दिल्ली पहुंचने के बाद सीधे मनमोहन सिंह के आवास गए थे। राहुल ने एक्स पर लिखा- मैंने अपना मार्गदर्शक और गुरु खो दिया। इस बीच, कर्नाटक के बेलगावी में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी मीटिंग रद्द कर दी गई। कांग्रेस स्थापना दिवस से जुड़े आयोजन भी कैंसिल हो गए हैं। पार्टी के इवेंट 3 जनवरी के बाद शुरू होंगे। मनमोहन का पार्थिव शरीर कल कांग्रेस मुख्यालय में रखा जाएगा, जहां आम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे।

डॉ सिंह का जीवन विपरीत परिस्थितियों में ऊंचाई हासिल करने की प्रेरणा देता है: पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल करने की प्रेरणा देता है। डॉ सिंह का गुरुवार रात यहां एम्स में निधन हो गया था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यहां बताया कि श्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है और विभाजन के दौरान भारत आने के बाद बहुत कुछ खोने के बावजूद डॉ. सिंह बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्ति थे।

खरगे-सोनिया-राहुल-प्रियंका ने मनमोहन को किये श्रद्धा सुमन अर्पित

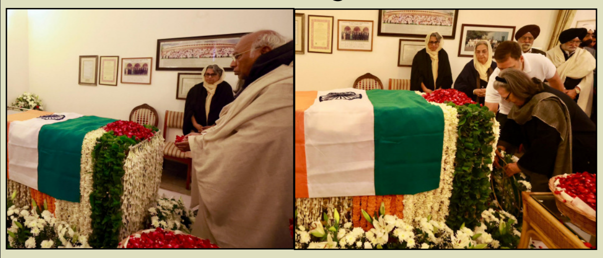

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम दर्शन करते हुए उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की है। डॉ. सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के साथ ही विभिन्न दलों के प्रमुख नेता पहुंच रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों तथा प्रमुख नेताओं ने डॉ. सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की है। कर्नाटक के बेलगावी में विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक चल रही है। बैठक 100 साल पहले कांग्रेस की बेलगाम अधिवेशन की याद में आयोजित हो रही है, जिसमें भाग लेने गए श्री खरगे तथा श्री गांधी डॉ. सिंह के निधन की खबर सुनते ही बैठक अधूरी छोड़कर दिल्ली लौट गये हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डॉ. सिंह की स्मृति में शोक प्रस्ताव भी पारित किया और तय किया कि उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. सिंह को श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि दिवंगत नेता के सम्मान में 01 जनवरी 2025 तक सात दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। विदेश स्थित सभी भारतीय मिशनों/उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज 01 जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए आधा झुका रहेगा।

मनमोहन सिंह का योगदान हमेशा याद रहेगा : आरएसएस

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 'एक्स' पर एक संदेश में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले को उद्धृत करते हुए कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और देश के वरिष्ठ नेता डॉ. सरदार मनमोहन सिंह के निधन से पूरा देश बेहद दुखी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके परिवार और अनगिनत प्रियजनों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। संघ ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह एक साधारण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित किये। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह का भारत के लिए योगदान हमेशा याद किया जाएगा और संजोया जाएगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें।

किसान नेता दल्लेवाल के स्वास्थ्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लगाई पंजाब सरकार को फटकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कृषि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर पंजाब-हरियाणा खनौरी सीमा पर 26 नवंबर से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता 70 वर्षीय किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल की चिकित्सा से संबंधी मामले से निपटने में पंजाब सरकार के रवैये पर शुक्रवार को नाराजगी व्यक्त की और कहा कि इसे गंभीरतापूर्वक लिया जाए। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह से कहा, कृपया इसे बहुत गंभीरता से लें, किसी की जान दांव पर लगी है। शायद आप इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अन्यथा, आप अब तक उन्हें चिकित्सा सहायता दे चुके होते। पीठ ने पंजाब सरकार से श्री दल्लेवाल को चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि अगर कुछ लोग कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं, तो उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार के खिलाफ अवमानना ??याचिका दायर होने के कारण उससे शनिवार तक अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। पीठ ने मामले में नोटिस जारी करते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का भी आदेश दिया। पीठ के समक्ष महाधिवक्ता ने कहा कि पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री दल्लेवाल से मिलने गए थे, जहां उन्हें प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र सौंपा गया था। उस पत्र में कहा गया था कि अगर केंद्र हस्तक्षेप करता है, तो स्थिति शांत हो जाएगी। उन्होंने बताया कि श्री दल्लेवाल ने कहा कि अगर कुछ बातचीत हो सकती है तो वह चिकित्सा सहायता के लिए सहयोग करने को तैयार हैं। अदालत के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जब उनकी (दल्लेवाल) जान को खतरा हो तो कुछ लोग उन्हें बंधक नहीं बना सकते।

मणिपुर के दो जिलों में गोलीबारी, पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकली जिलों में गोलीबारी हो रही है। लोगों के मुताबिक मोर्टर भी दागे जा रहे हैं। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच एक बार फिर हिंसा शुरू हुई है। सनसाबी इलाके में उग्रवादियों से मुठभेड़ में पुलिसकर्मी और ग्रामीण को गोली लगी। पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मी की नाम के. हरिदास (37) है। उसके बाएं कंधे पर गोली लगी। उसका जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान इलाज जारी है। एक और ग्रामीण घायल है, उसका भी इलाज जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक 24 दिसंबर से दोनों जिलों के कई इलाकों में जारी गोलीबारी ने शुक्रवार को बड़ा रूप लिया। इन जिलों के यिंगांगपोकपी, थमनापोकपी, थंबापोकपी, सबुंगखोक खुनौ, शांति खोंगबल, सनसाबी सहित दूसरे इलाकों में दहशत है। यिंगंगपोकपी में ग्रामीणों ने अधिकारियों से उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की मांग की है। लोगों के मुताबिक पहाड़ी से मैदानी इलाकों गोलीबारी की जा रही है। गुरुवार को राज्य के एन बीरेन सिंह ने कहा था कि राज्य के सिक्योरिटी एडवाइजर और डीजीपी को प्रभावित जिलों में सिक्योरिटी बढ़ाने का निर्देश दिया है। 25 दिसंबर को सीएम ने कहा था कि मणिपुर को तत्काल शांति की जरूरत है। दोनों समुदायों (कुकी-मैतेई) आपसी समझ बनाएं। हम किसी खास समुदाय के खिलाफ नहीं हैं।

बठिंडा में बड़ा बस हादसा, 8 लोगों की मौत 18 घायल यात्रियों का इलाज जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को एक बस दुर्घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, बठिंडा शहरी विधायक जगरूप सिंह गिल ने कहा कि पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने इलाज के दौरान गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया। गिल को बठिंडा के सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप सिंगला ने जानकारी दी, जब विधायक ने बठिंडा शहर के शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल का दौरा किया, जहां वर्तमान में 18 घायल यात्रियों का इलाज किया जा रहा है। गिल ने कहा कि पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 18 का इलाज शहीद भाई मणि सिंह सिविल अस्पताल में चल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। यह हादसा बठिंडा के जीवन सिंह वाला गांव के पास हुआ जब एक बस पुल से टकराने के बाद नाले में गिर गई। एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान चल रहा है। निजी बस तलवंडी साबो से बठिंडा शहर जा रही थी, तभी फिसलकर नाले में गिर गई। बचाव कार्यों की निगरानी के लिए शीर्ष नागरिक और पुलिस अधिकारी मौके पर हैं। जिला अधिकारियों द्वारा अभी तक मृतकों की पहचान की पुष्टि नहीं की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गंदे नाले में गिरने से पहले बस एक पुल की रेलिंग से टकराई।

कांग्रेस 26 जनवरी से संविधान बचाओ पद यात्रा निकालेगी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बेलगावी में गुरुवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई जिसमें 26 जनवरी 2025 से संविधान बचाओ राष्ट्रीय पद यात्रा शुरू करने का फैसला लिया गया। बैठक के पहले दिन मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने स्पीच दी। सोनिया गांधी अधिवेशन में शामिल नहीं हुईं, लेकिन उन्होंने पत्र के जरिए कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बैठक के बाद पार्टी नेता जयराम रमेश ने बताया, हमारा मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा ने कांग्रेस को संजीवनी दी थी। इससे कांग्रेस की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया था। हमने भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी निकाली। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, कांग्रेस दिसंबर 2024 से जनवरी 2026 तक लोगों से जुड़े मुद्दों को उठाएगी और जय बापू, जय भीम, जय संविधान, राजनीतिक अभियान शुरू करेगी।

अब संभल की शाही जामा मस्जिद पर 24 घंटे रहेगी यूपी पुलिस

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के पास खाली पड़े मैदान में पुलिस चौकी बनाएगी। प्रस्तावित पुलिस चौकी का निर्माण शुरू होते ही आरएएफ के जवान तैनात होंगे। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने यह जानकारी दी। हालांकि चौकी का नाम क्या होगा इसे लेकर उन्होंने अभी कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। संभल में सुरक्षा की दृष्टि से नयी पुलिस चौकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहेगी। उल्लेखनीय है कि 24 नवंबर को शाही मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। उम्मीद है कि कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव संभल की जामा मस्जिद के मूल रूप से हरिहर मंदिर होने के दावे से संबंधित सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट संभवतः जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी। जिला प्रशासन ने संभल कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कोट पूर्वी में प्राचीन मृत्यु कूप की खुदाई और जीर्णोद्धार का काम बृहस्पतिवार को शुरू कर दिया। संभल में पुराणों में वर्णित, अति प्राचीन और धार्मिक महत्व के माने जाने वाले कुओं की पहचान कर उनकी खुदाई और जीर्णोद्धार की पहल के तहत यह कार्य किया जा रहा है।

2024 अब तक का सबसे गर्म साल रहा

जलवायु परिवर्तन के कारण 41 दिन गर्मी के बढ़ गए, 3700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। 2024 में जलवायु परिवर्तन के कारण दुनियाभर में भीषण गर्मी के दिनों में 41 दिन की बढ़ोत्तरी हुई है। इसे लेकर नई रिसर्च रिपोर्ट जारी की गई। वर्ल्ड वेदर एट्रीब्यूशन की प्रमुख डॉ. फ्रेडरिके ऑटो का कहना है कि 2024 अब तक का सबसे गर्म साल रहा। इस दौरान करीब 3700 से ज्यादा लोगों की जान गई। उन्होंने बताया कि दुनियाभर में लाखों लोगों को गर्मी और उससे जुड़ी बीमारियों के कारण विस्थापित होना पड़ा। जलवायु परिवर्तन के चलते बाढ़, तूफान और सूखे की समस्या से भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही ऑटो ने कहा कि जब तक दुनिया जीवाश्म ईंधन जलाना जारी रखेगी, जलवायु परिवर्तन की समस्या बढ़ती जाएगी। रिसर्च में यह भी बताया गया कि इसी तरह यदि हर साल तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ता रहा तो साल 2040 तक स्थिति भयानक हो सकती है। प्राकृतिक आपदा के कारण हजारों लोग मारे गए।

दिल्ली में नए संसद भवन के सामने खुद को आग लगाने वाले जितेंद्र की मौत

बागपत। दिल्ली के नए संसद भवन के बाहर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने वाले जितेंद्र ने बृहस्पतिवार देर रात उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसका पता चलते ही जिले में पुलिस अलर्ट हो गई। छपरौली कस्बे की पट्टी धंधान में रहने वाले रविंद्र ने बताया कि उसके छोटे भाई जितेंद्र ने कई साल पहले हुई घटनाओं में पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए अनुसूचित जाति जनजाति आयोग में भी शिकायत कर रखी थी। इसके बाद भी सुनवाई नहीं होने पर मंगलवार को जितेंद्र ने दिल्ली में नए संसद भवन के सामने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा ली।

दिल्ली-एनसीआर में हुई बारिश के बाद तापमान हुआ कम, एक्युआई हुआ बेहद खराब

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कई हिस्सों में शुक्रवार को हल्की बारिश हुई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब तापमान कम हो गया है और सर्दी बढ़ गई है। भारतीय मौसम विभाग ने इस बारिश के लिए पश्चिमी विक्षोभ को जिम्मेदार माना है। देश के मध्य भागों में निचले स्तर की पूर्वी हवाओं के साथ संपर्क होने की संभावना है। वहीं अब अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों से, विशेष रूप से शुक्रवार और शनिवार को, महत्वपूर्ण मात्रा में नमी आने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार शुक्रवार को हुई बारिश इसी मौसम प्रणाली का प्रभाव है। इस मौसम प्रणाली के कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में छिटपुट बारिश और बर्फबारी हो सकती है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम गरज के साथ छींटे पड़ने, बिजली चमकने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

आरटीओ के करोड़पति कॉन्स्टेबल के ठिकानों पर ईडी की रेड

नयी दिल्ली, एजेंसी। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर स्थित ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई चल रही है। ईडी की अलग-अलग टीमों ने शुक्रवार सुबह एक साथ तीनों शहरों में छापे मारे। सूत्रों के मुताबिक, रेड में कई अहम दस्तावेज मिले हैं। ईडी की टीम सुबह करीब 5 बजे भोपाल में अरेरा कॉलोनी ई-7 स्थित मकान नंबर 78 और 657 समेत 1100 क्वार्टर स्थित जयपुरिया स्कूल के दफ्तर पहुंची। फिलहाल, अधिकारी दीवारों और फर्श की मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक उपकरणों के साथ जांच कर रहे हैं।

कमलापुर : बड़ा सवाल, आखिर किसकी सरपरस्ती में बेखौफ हैं खनन माफिया?

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले के कमला पुर व मानपुर थाना क्षेत्र में पुलिस की मिलीभगत से मिट्टी खनन का अवैध कार्य जोरों पर है। खनन माफिया धरती का सीना चीर रहे हैं। जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं। इस समस्या पर लगाम लगाने को लेकर जिम्मेदार खनन माफियाओं पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं। सूचना के बाद भी स्थानीय प्रशासन मौन बैठा हुआ है। लोगों का आरोप है कि खनन माफिया पुलिस को मोटी रकम देकर यह अवैध धंधा कर रहे हैं हालांकि तो ट्रैक्टर-ट्राली मिट्टी खनन कर राजस्व विभाग को चूना लगाया जा रहा है समाचार पत्रों का संज्ञान लेकर लगभग एक सप्ताह पूर्व खनन अधिकारी सीतापुर द्वारा थाना क्षेत्र कमलापुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रेवरी सराय एवं वसई डीह का क्षेत्र भ्रमण किया गया था। जिस पर अवैध रूप से मिट्टी मात्रा में राजस्व की जमीन पर अवैध खनन पाया गया था। जबकि यह खनन माफिया इतने बेखौफ हो गए हैं कि पुलिस पिकेट के पास से ही मास्टरबाग मार्ग पर देर रात्रि को मिट्टी भरे हुए ट्रैक्टर तेज रफ्तार सरपट भरते रहते हैं। न तो पुलिस की परवाह है और न ही प्रशासन का डर। क्षेत्र में जगह-जगह खनन

का कार्य जोरों पर चल रहा है। जिससे तहसील प्रशासन व पुलिस विभाग की कार्य प्रणाली भी सवालों के घेरे में है।

पुलिस प्रशासन तहसील प्रशासन की मिलीभगत

प्रशासन यही सब जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा रही है इसके बावजूद खनन विभाग सबकुछ जानकर अनजान बना हुआ है इस सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। अवैध खनन के लिए बदनाम है कमलापुर थाना क्षेत्र व मानपुर अवैध खनन से भरे ट्रैक्टर-ट्राली मिट्टी ले जाते साफ देखे जा सकते हैं

एनजीटी के आदेशों का उड़ाया जा रहा मखौल

एनजीटी के आदेशों को पूरी तरह हवा में उड़ाते हुए खनन माफिया, पुलिस, प्रशासन और खनन विभाग तीनों से सेटिंग कर धड़ल्ले से अपना काम कर रहे हैं। क्षेत्र में बन रही कालोनियों में भराव के नाम पर रातों-रात खनन कर सैकड़ों ट्रालियां डंपर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। मिट्टी खनन की शिकायतें लोगों ने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों से कीं, लेकिन खनन माफिया पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण खनन माफिया भराव के नाम पर ठेका ले रहे हैं।

देहात में धड़ल्ले से चल रहा अवैध मिट्टी खनन

देहात क्षेत्रों में मिट्टी के अवैध खनन का कारोबार बड़े स्तर पर चल रहा है। रात भर सड़कों पर मिट्टी से भरे डंपर दौड़ते रहते हैं। खनन माफिया द्वारा धड़ल्ले से अवैध मिट्टी का खनन किया जा रहा है। खनन विभाग को इसकी भनक तक नहीं है या यूं कहें कि स्थानीय पुलिस की सरपरस्ती में ही यह खेल खेला जा रहा है। इस अवैध कारोबार में रात के समय नियमों की अन देखी कर मिट्टी उठाई जा रही है जबकि पुलिस जानकारी न होने का हवाला देकर चुप्पी साधे हैं और मिट्टी लदे ट्रैक्टर-ट्राली थाने के सामने से ही गुजरते हैं।

विरोध पर ग्रामीणों को दी जाती है धमकी

क्षेत्र के कई ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि माफियाओं को स्थानीय पुलिस व सत्ताधारी जन प्रतिनिधियो का संरक्षण प्राप्त है। माफियाओं द्वारा कार्य के बदले पुलिस को बंधी बंधाई मोटी रकम प्रदान की जाती है। जिसके कारण माफियाओं का मनोबल यहां सातवें आसमान पर है और खनन माफिया बेखौफ होकर धड़ल्ले से अवैध मिट्टी खनन को अंजाम दे रहे हैं। क्षेत्र के लोग अगर इसका विरोध करते हैं तो उन्हें माफियाओं के द्वारा जान से मारने तक की धमकी दे दी जाती है।

क्या बोले नहर विभाग के कर्मचारी

इस सम्बन्ध में अवर अभियंता (जेई)विनय यादव से फोन पर बात की गयी तो उन्होंने बताया की अभी एक हफ्ते पहले एक एफआई आर लिखवाई गयी थी उप जिलाधिकारी व पुलिस विभाग की ओर से अपेक्षित कार्यवाही नहीं हो पा रही है। इस सम्बन्ध में खनन अधिकारी से जानकारी चाही तो उनका फोन नहीं लगा।

नाले से निकली सील्ट सडक पर छोडी, आईरा सोल्जर ने किया सराहनीय कार्य

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

बिजनौर। बिजनौर कस्बा कीरतपुर में इस समय नालों की सफ़ाई का कार्य प्रगति पर है, जगह जगह नालों की सफाई युद्धस्तर पर हो रही है, तो वहीं नाले से निकली सील्ट (कीचड़) सडक पर ही डाली जा रही है सडक पर यहाँ वहां नाले किनारे पड़ी सील्ट आवागमन में घोर बाधा उत्पन्न कर रही थी तथा अक्सर इस कीचड़ में फंसकर कई वाहन फिसलकर गिर चुके थे तथा आए दिन कोई ना कोई चोटिल हो रहा था। ऐसे में आईरा कीरतपुर के नगर महासचिव मोहम्मद परवेज फोटोग्राफ़र ने कुछ खाली कट्टे और बांस की खपच्चियां लेकर सडक पर दुर्घटना का कारण बन रही नाले की सील्ट (कीचड़) को एक किनारे कर उसके आस पास बांस की खपच्चियों पर कट्टा डालकर आवागमन करने वालों तथा वाहन चालकों को दूर से ही सतर्क हो जाने का संकेत उपलब्ध करा दिया। अब सडक से गुजरने वाले दूर से ही उक्त संकेत को दूर से ही समझ कर गाडी स्लो करके एक किनारे से गुजर रहे हैं तथा दुर्घटनाएं रुक गयी है। कीरतपुर एक्सप्रेस नामक समाचार चैनल चलाने वाले मोहम्मद परवेज पत्रकार होने के साथ साथ एक कुशल फोटोग्राफ़र भी हैं।

जिलाधिकारी ने किया निर्माणाधीन रैन बसेरे का निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने नगर पालिका परिसर में निर्माणाधीन रैन बसेरे का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रैन बसेरे के स्वागत काउंटर से लेकर पेयजल आदि की सभी व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कार्यदायी संस्था के इंजीनियर को निर्देश दिए कि कार्य गुणवत्ता के साथ 20 जनवरी से पहले पूरा कराया जाये। रैन बसेरे के द्वार के पास एक गार्ड रूम बनवाया जाये। प्रांगण का अवशेष कार्य जल्द पूरा किया जाये। डूडा को उन्होंने निर्देश दिए कि संचालन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। खिड़कियों में ऐसी कांच का उपयोग किया जाये जिससे आर पार न दिखायी दे। नगर पालिका को निर्देश दिए कि परिसर के आस पास सफाई करायी जाये। इस अवसर पर नगर पालिका चेयरमैन सुखसागर मिश्र मधुर, पीओ डूडा व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

टेढ़े पैर का इलाज पहली बार सफल ऑपरेशन

- हरदोई में एक मरीज का सफल ऑपरेशन किया गया
- जिसमें उसकी हड्डी को बढ़ाया गया। नन्हेंलाल को पैर में चोट लगने के बाद इंफेक्शन के कारण हड्डी छोटी हो गई थी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

हरदोई। अगर इंफेक्शन के चलते आपकी हड्डी कहीं पर छोटी हो गई है तो उसे बढ़ाने के लिए लखनऊ दौड़ना नहीं पड़ेगा, क्योंकि अब इसका इलाज हरदोई जनपद में ही संभव है। इसी तरह के एक मरीज का मेडिकल कॉलेज के हड्डी विभाग के डॉक्टर ने सफल ऑपरेशन करके मरीज को ठीक किया है। बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के पुशेरा गांव निवासी नन्हेंलाल एक साल पहले उनके पैर में चोट लगने से इंफेक्शन फैल गया था। जिसके चलते पैर की हड्डी में कुछ हिस्से की हड्डी छोटी हो गई थी। जिससे उनका पर छोटा हो गया था। मरीज चलने फिरने में असमर्थ हो गया था। इसमें मेडिकल कॉलेज में तैनात हड्डी विभाग के विशेषज्ञ डॉ सुरेंद्र गहलोत ने इलाज शुरू किया। धीरे-धीरे इन्फेक्शन खत्म करने के बाद बुधवार को चीरा लगाकर हड्डी को बढ़ाने के लिए ऑपरेशन किया। जिससे यह सफल ऑपरेशन हुआ। मरीज दूसरे दिन से ही अपने पैरों से चलने लगा। इस तरह से लाभ होने पर मरीज व उसके तीमारदारों ने डॉक्टर के लिए दिन-रात तरक्की करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

नगर परिषद में पायनियर कंपनी के सफाई कर्मी हड़ताल पर

➲ तीन दिनो से कचड़ा का उठाव नही होने के कारन नागरिक परेशान

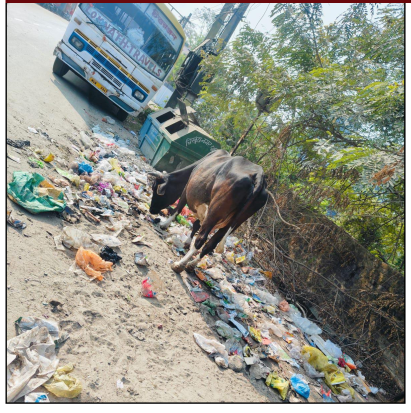

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

चिरकुंडा/ धनबाद। चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में पायनियर कंपनी के द्वारा सफाई कर्मी को न्यूनतम मजदूरी नही देने सहित दो माह के बकाए मानदेय की भुगतान की मांग को लेकर सफाई कर्मियों के तीन दिन से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के कारन क्षेत्र में कचड़ा उठाव नही होने से नागरिक परेशान हैं।जानकारी के अनुसार नगर परिषद क्षेत्र में पायनियर कंपनी के करीब 20 सफाई कर्मी हैं इनका कहना है कि उनकी मांगों को जबतक कंपनी प्रबंधन द्वारा नही माना जाएगा तबतक उनलोगों का अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगा। सफाई कर्मी का कहना है कि वर्तमान में कंपनी द्वारा उनलोगों को 326 रू मानदेय दी जा रही है जो कि झारखंड सरकार की न्यूनतम मजदूरी दर से काफी कम है जबकि सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी दर 425 रू है।वहीं कर्मी का कहना है कि हर माह के 10 तारीख को इनका मानदेय मिल जाना चाहिए।कंपनी के द्वारा हम सभी 2018 से 2022 तक ईपीएफ एवं ईएसआई की राशी की कटौती की लेकिन उन लोगों को इसका लाभ अभी तक नही मिला है। इस संबंध में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा व सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन ने कंपनी प्रबंधन से कहा है कि अतिशीघ्र सफाई कर्मी की जो भी समस्या है उससे बात कर हल निकालकर क्षेत्र में कचड़ा का उठाव प्रारंभ करवाया जाए ताकि नागरिकों को परेशानी न झेलना पड़े।

एसीबी ने डीसी ऑफिस के रिकॉर्ड रूम के प्रधान सहायक और सहयोगी को घूस लेते किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। शुक्रवार को धनबाद एसीबी की टीम को फिर एक बड़ी सफलता हाथ लगी। एसीबी की टीम ने डीसी ऑफिस के रिकॉर्ड रूम के प्रधान सहायक संजय कुमार और

प्रधान सहायक के सहयोगी सोमनाथ को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा, प्राप्त जानकारी के अनुसार धनबाद धैया के रहने वाले मनोहर महतो को जमीन से संबंधित कुछ कागजात की जरूरत थी, वह रिकॉर्ड रूम से कागजात निकलवाना चाह रहे थे, लेकिन इसके लिए उनसे पैसे की मांग की जा रही थी, लाचार होकर उन्होंने इसकी शिकायत एसीबी से की, एसीबी के अधिकारियों ने शिकायत की छानबीन के बाद शुक्रवार को तय समय और तय रकम के साथ मनोहर महतो को भेजा, उसके बाद एसीबी की टीम ने दोनों को रिश्वत लेते धर दबोचा, एसीबी की टीम ने प्रधान सहायक के घर की भी जांच पड़ताल की है, सूत्र बताते हैं कि कुछ दिन पहले भी रिकॉर्ड रूम के किसी सहायक को एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया था।

दुकानदार से मारपीट करने वाले चार गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

हरदोई। कोतवाली शहर क्षेत्र में गुरुवार देर शाम एक दुकानदार से चार लोगों ने मारपीट कर जानलेवा हमला बोल दिया। पुलिस ने हमला करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली शहर के नवीपुरवा निवासी शोभित गुप्ता ने थानें पर तहरीर दी, जिसमें बताया कि देवेंद्र सिंह उर्फ देवू, शिवेंद्र सिंह पुत्रगण राजेश सिंह, प्रिंस पुत्र संजय शुक्ल व ऋषि पुत्र संतोष सिंह निवासी मोहल्ला नवीपुरवा कोतवाली शहर द्वारा उसके भाई के साथ मारपीट की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने चारों युवकों देवेंद्र सिंह उर्फ देवू, शिवेंद्र, प्रिंस व ऋषि को हिरासत में लिया गया। वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक धर्मेंद्र गिरी, आकाश शर्मा, हेड कांस्टेबल सचिन गुप्ता व कांस्टेबल सलमान आदि शामिल रहे।

108 एंबुलेंस के ईएमटी और पायलट ने सिर मे और हाथ में लगी चोट मरीज को सुरक्षित हॉस्पिटल पहुंचाया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

भोगांव /मैनपुरी। 108 एंबुलेंस सेवा से आए दिन कुछ न कुछ अच्छा देखने को मिल रहा है ऐसे में ही 32 वर्षीय पुरुष राजू का किसी जानवर से टकरा गए जिसकी वजह से उनके सिर मे काफी चोट आ गई बही एक व्यक्ति ने निःशुल्क सेवा 108 पर कॉल किया इनका केस एम्बुलेंस नंबर यूपी 32बीजी8903 को मिला कॉल मिलते ही एंबुलेंस के पायलट सौरभ दुबे ने तुरंत ही एंबुलेंस घटना स्थल पे पहुंचा दी और ईएमटी ने मरीज को एंबुलेंस में शिफ्ट कर तुरंत ब्लीडिंग को रोका ड्रेसिंग की एंबुलेंस सीएचसी अस्पताल बेवर के लिए मूव कराई, तत्पश्चात ईएमटी मरीज का प्रारंभिक आकलन कर वाइटल चेक किए उसके बाद ईएमटी कन्हैयालाल राजपूत ने डॉक्टर पंकज जी की सलाह ली और मरीज को बेहतर सुविधा प्रदान की ईएमटी कन्हैयालाल राजपूत ने जब तक राजू को सीएचसी बेवर अस्पताल में भर्ती कराया तब तक मरीज को दर्द में काफी राहत मिल गई थी।

जिलाधिकारी ने जब से जनपद में सभाला है कार्यभार, भूमाफियाओं को उड़े हुए है होश

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने जब से जनपद में कार्यभार ग्रहण किया है तब से निरंतर अनाधिकृत कब्जा करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हो रही है, वह सार्वजनिक भूमि यथा चकरोड, तालाब, विद्यालय, चारागाह की भूमि, मरघट, खलियान पर किए गए अनधिकृत कब्जों को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। सार्वजनिक भूमि पर अनाधिकृत कब्जों की शिकायतों पर स्वयं मौके पर जाकर शिकायत की हकीकत परख अपने सामने ही अवैध अतिक्रमण हटवाकर भूमि को खाली करा रहे हैं, जिन चकमार्गो से अनाधिकृत कब्जे हटाए गए हैं, उन पर संबंधित खंड विकास अधिकारियों को मिट्टी का कार्य करने की सख्त हिदायत दी गई है, एक बार कब्जा हटवाने के बाद यदि किसी के द्वारा पुनः कब्जा किया गया है तो ऐसे लोगों को भू-माफिया में चिन्हित कर प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है, सार्वजनिक भूमि के अलावा निजी भूमि पर भी अनाधिकृत रूप से किए गए कब्जों को लेकर भी बेहद सजग है, निजी भूमि पर अनाधिकृत कब्जों से संबंधित शिकायतों पर राजस्व, पुलिस की टीम मौके पर भेज कर प्रभावी कार्यवाही हो रही है, जिससे आम लोग भी राहत महसूस कर रहे हैं, सार्वजनिक भूमि से अनाधिकृत कब्जे हटवाने में लापरवाही बरतने वाले राजस्व कर्मियों के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही की गई है, वैधानिक कार्यवाहियों के चलते भू-माफिया के बीच भय व्याप्त है। आज जन-सुनवाई के दौरान जब ग्राम अस्यौली नि. गुरूमीत सिंह, अमित, बीनू यादव, जनार्दन सिंह ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि भू-माफियाओं ने गाटा संख्या-308, 452 रकवा लगभग 500 बीघा पर वर्ष 1986-87 में भूलेखों पर अपने-अपने नाम दर्ज करा लिये थे तथा तालाब की आराजी पर खेती करने लगे, जब जिला प्रशासन को तालाब की फर्जी जानकारी हुयी तो राजस्व की धाराओं में कार्यवाही कर 2005 में नाम निरस्त कर तालाब की आराजी को पुनः भू अभिलेखों में तालाब दर्ज करा दिया गया, जो आज भी दर्ज है परंतु भू-माफियाओं ने विभिन्न न्यायालय में जिला प्रशासन द्वारा किये गये आदेश के विरूद्ध निगरानी की, सुनवाई के बाद निरस्त कर दी गयी एवं जिला प्रशासन का आदेश यथावत् रखा, भू-माफियाओं ने उच्च न्यायालय में अवर न्यायालय के विरूद्ध तथ्यो को छिपाते हुये रिट याचिका दायर कर स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया लेकिन जिला प्रशासन द्वारा उक्त प्रकरण में काउटंर नहीं लगवाया, जिससे विचाराधीन रिटों का निस्तारण नहीं हो पा रहा है और भू-माफियाओ द्वारा लगभग 500 बीघा जमीन पर गेहूं की बुवाई कर दी है, जिसे गंभीरता से लेते हुये वह स्वयं मौके पर पहुंचे और क्षेत्रीय लेखपाल, तहसीलदार से प्रकरण की जानकारी करने पर पाया कि उक्त भूमि पर स्टे लिया गया है लेकिन लेखपाल को जानकारी नहीं थीं, तालाब की भूमि होने के बावजूद धारा-67 में भी कोई कार्यवाही नहीं की गयी, जिस पर उन्होने उप जिलाधिकारी सदर को लेखपाल को निलम्बित करते हुये विभागीय कार्यवाही के आदेश दिये। उन्होने नाराजगी व्यक्त करते हुये उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों से कहा कि बार-बार निर्देशों के बाद भी सार्वजनिक भूमि से अवैध अतिक्रमण नहीं हटाये जा रहे हैं, उप जिलाधिकारी अभियान चलाकर अपने-अपने क्षेत्र के सार्वजनिक स्थलों से तत्काल अनाधिकृत कब्जे हटवायें, जनपद में भूमि पर जबरन कब्जे की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रहीं हैं यद्यपि अनाधिकृत कब्जे की शिकायतों पर प्रभावी कार्यवाही हो रही है लेकिन अभी और सख्ती की आवश्यकता है, राजस्व विभाग के कार्मिक अपने-अपने क्षेत्र की सार्वजनिक भूमि की पूरी जानकारी रखें, कहीं भी सरकारी जमीन पर कब्जा न हो, सुनिश्चित किया जाये। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर अभिषेक कुमार, तहसीलदार विशाल सिंह, अनिल सक्सैना, आई.जी.आर.एस. प्रभारी अनुज कुमार आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने कहा सिंचाई और जल संरक्षण के लिए चेक डैम बनाएं। अधिकारियों को आदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता कन्हैया सिंह

जमुई पटना। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में सिंचाई, लघु सिंचाई और ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की और जरूरी

निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर विभिन्न खंडों के संचालित कार्यों, विभागीय गतिविधियों और अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी लेते हुए कहा कि सिंचाई व्यवस्था को प्राथमिकता के तौर पर सुदृढ़ करें। नदियों में चेक डैम बनाएं। इसके जरिए जल संरक्षण और सिंचाई का पुख्ता इंतजाम किया जाए। प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाए। इसके लिए मनरेगा के माध्यम से भी कार्य किया जाए। इससे जुड़ी योजनाएं न केवल सिंचाई को बढ़ावा देगी बल्कि पर्यटन का भी रास्ता खोलेगी। सिंचाई के लिए पाइप लाइन निर्माण में गुणवत्ता खास ध्यान रखना है। भारी बारिश के कारण पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हुई है, उसकी मरम्मत शीघ्र की जाए। जलापूर्ति की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देना है। संचालित कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाना है। संचालित योजनाओं की नियमित समीक्षा करें ताकि पारदर्शिता बनी रहे। डीएम ने किसानों की फसलों को सिंचाई के तहत पानी उपलब्ध कराने के समय पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई। जब भी फसलों को पानी की जरूरत हो, विभाग नामित खेतों तक पानी पहुंचाना सुनिश्चित करे इस अवसर पर सभी सम्बंधित विभाग के पदाधिकारियों ने जरूरी प्रतिवेदन प्रस्तुत कर निर्देशों को अमल में लाने का संकल्प लिया।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर झुका तिरंगा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता कन्हैया सिंह

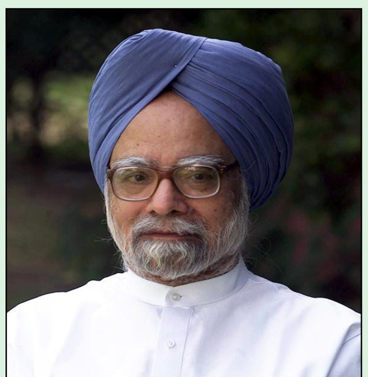

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर पूरे देश में सात दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। राष्ट्रीय शोक घोषित किए जाने के बाद समाहरणालय परिसर पर फहर रहा तिरंगा झंडा को आधा झुका दिया गया है। तिरंगा झंडा को आधा झुकाकर पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति शोक व्यक्त किया गया है। डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ शनिवार को किए जाने की उम्मीद है। अमेरिका में निवासित उनकी बेटी के दिल्ली पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सभा का हुआ आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। सुदिती ग्लोबल एकेडमी, मैनपुरी में आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर गहन शोक व्यक्त किया गया। विद्यालय में एक विशेष शोक सभा का आयोजन हुआ, जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों और विद्यालय प्रशासन ने सम्मिलित होकर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन ने सुबह की प्रार्थना सभा का नेतृत्व करते हुए दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा डॉ. मनमोहन सिंह न केवल भारत के पूर्व प्रधानमंत्री थे, बल्कि वे एक महान अर्थशास्त्री, सरल व्यक्तित्व और सच्चे देशभक्त भी थे। उनकी नीतियों ने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान को शब्दों में समेटना मुश्किल है। उनका निधन हमारे देश के लिए एक बड़ी क्षति है। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. लव मोहन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान दी। उनकी दूरदर्शिता और समर्पण ने हमारी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनका नेतृत्व शांत, परंतु प्रभावशाली था। उन्होंने अपने कार्यों से यह साबित किया कि सादगी और निष्ठा के साथ भी महान उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। विद्यालय की प्राचार्य प्रशासनिक, डॉ. कुसुम मोहन ने भी सभा में अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह एक ऐसे नेता थे जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक देश की उन्नति को प्राथमिकता दी। उनकी सहजता और विद्वता ने सभी को प्रभावित किया। उनकी नीतियों ने न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, बल्कि विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा भी बढ़ाई। उनके व्यक्तित्व से सादगी और समर्पण की सीख मिलती है। विद्यालय के शिक्षकों ने भी अपने विचार साझा किए और कहा कि डॉ. सिंह का जीवन हर किसी के लिए प्रेरणादायक है। शिक्षकों ने यह भी कहा कि उनके विचार और दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा देने में सहायक रहेंगे। सभा के दौरान छात्रों को डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन और उनके योगदान के बारे में बताया गया। उन्हें इस बात पर जोर दिया गया कि वे डॉ. सिंह के आदर्शों को अपनाएं और उनके जीवन से प्रेरणा लें। विद्यालय में पूरे दिन शोक का माहौल बना रहा। सभी ने मिलकर डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। यह शोक सभा न केवल डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति श्रद्धांजलि थी, बल्कि उनके जीवन के संदेश को समझने और अपनाने का एक प्रयास भी था।

स्वामी विवेकानंद स्कूल में दो दिवसीय रजत जयंती समारोह का रंगारंग शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

चिरकुंडा/ धनबाद। चिरकुंडा के सुंदर नगर स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को स्कूल प्रांगण में दो दिवसीय रजत जयंती समारोह का शुभारंभ हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ।बच्चों ने गणेश वंदना और राम आएंगे जैसे नृत्यों से कार्यक्रम की शुरुआत की बच्चों ने एक से बढ़ कर एक नृत्य,संगीत एव ड्रामा पेश किए।स्कूल के प्राचार्य संजीव साव व निर्देशक विवेक सिंह ने बताया कि आज विद्यालय अपना पच्चीसवां वर्षगांठ मना रहा हैं हमारा विद्यालय अनुशासन रहित शिक्षा प्रदान करती हैं। वर्ष 1998 में स्वामी विवेकानंद विद्यालय का स्थापना की गई थी उस समय हमारे विद्यालय में महज साठ बच्चे शिक्षा ग्रहण करते थे और आज हमारे विद्यालय में कुल अठारह सौ बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। हमारे विद्यालय में न्यूनतम राशि में ही उच्च कोटि की शिक्षा दी जाती है और बच्चों पर विशेष ध्यान दी जाती हैं।विद्यालय में उपस्थित मुख्य अतिथि चिरकुंडा पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी रामजी राय ने कहा कि स्कूल द्वारा बहुत ही सराहनीय दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है वे भी चाहेंगे कि हमारे क्षेत्र में पढ़ने वाले सभी स्कूलों में पहुंचकर पुलिस द्वारा बच्चों को जागरूक करने का पाठशाला चलाई जाए पूर्व में इस तरह का कार्यक्रम आयोजन हुआ था और आगे भी ऐसे आयोजन होने से बच्चों में जागरुकता आएगी क्या सही है और क्या गलत है इसे बच्चे पहचान पाएंगे।समारोह को सफल बनाने में स्कूल के प्राचार्य संजीव साव,निर्देशक विवेक सिंह सहित शिक्षक,शिक्षिका व शिक्षकेत्तरकर्मी एवं आभिभावकगण मौजूद थे।

गौशाला में गोवंश की मौत का मामला-वीडियो वायरल -बिसवां के राम पुर गौशाला में हर दिन तीन से चार गोवंश की मौत का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले में स्थित बिसवां क्षेत्र के रामपुरघेरवा स्थित गौशाले में जिम्मेदारों की लापरवाही व उदासीनता के चलते संसाधन के अभाव में गोवंश आये दिन दम तोड़ रहे है और सिस्टम के जिम्मेदार अधिकारी महज कागजी खानापूर्ति करके गौशाले की देख रेख का हवाला देते नजर आ रहे है।सनातन धर्म में जिन गोवंशों की पूजा की जाती हैं और उन्हें गाय माता का दर्जा दिया जाता है उन्हीं गौवंशो की बदतर दशा देखकर आंखों में आंसू आ जाते है।

आखिर चारा कहां गया और किसने खाया

मुख्यमंत्री योगी भले ही गोवंशों को लेकर आश्वस्त हों कि वह पूरी तरीके से सुरक्षित हैंऔर बजट जारी कर रहे हैं, मगर योगी सरकार के नौकरशाह इसको लेकर कतई गंभीर नजर नहीं आते।इसका नतीजा ये हो रहा है कि गोवंश की भूख-प्यास से मौत हो रही है। अब सवाल ये उठता है कि अगर गोवंश की मौत भूख-प्यास से हो रही है तो सरकार द्वारा आया लाखों रुपया और उस रुपये से आया चारा कहां गया और किसने खाया?

गौशाला में जिम्मेदारों की लापरवाही से मामला आया सामने

बताया जाता है कि गोवंशों की देखरेख व रखरखाव के लिए आवंटित होने वाले धन को सिस्टम के अधिकारी उसे चारे की तरह खा जाते हैं तो इन गौवंशो का चारा खाने वाले व गौवंशो को बदतर दशा में पहुंचाने वाले जिम्मेदारों पर कार्यवाही कब होगी ये सवाल है सूबे की योगी सरकार से। क्योंकि जिम्मेदार अफसर जो सरकारी आदेशों की खुल कर अनदेखा कर रहे हैं।जब इस सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी से फोन पर बात की गयी तो उन्होंने बताया कि हमें ऐसी कोई जानकारी नहीं है ऐसा कुछ होगा तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।

आवंटियों पर बोझ बढ़ाने वाले 4 अभियंता जांच में मिले दोषी

सभी आवास विकास परिषद से हो चुके हैं सेवानिवृत्त, अब पेंशन से होगी कटौती

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मनमर्जी से योजना बनाकर करीब 2000 आवंटियों पर लाखों का बोझ बढ़ाने वाले आवास विकास परिषद के चार अभियंता 10 वर्ष चली जांच के बाद दोषी मिले हैं। सभी के सेवानिवृत्त होने पर पेंशन से कटौती होगी। इसका प्रस्ताव बृहस्पतिवार को हुई परिषद की बोर्ड बैठक में पास किया गया। करीब 12 साल पहले अवध विहार योजना में आवास विकास परिषद ने भागीरथी व मंदाकिनी एन्क्लेव में 16 मंजिल टावर बनाने की योजना पास की थी। इसी आधार पर पंजीकरण कर रेट निर्धारित किए गए। पंजीकरण होने के बाद आवंटियों ने रुपये जमा कर दिए। रजिस्ट्री की बारी आई तो आवास विकास परिषद ने योजना का क्षेत्रफल बढ़ने का हवाला देकर प्रति फ्लैट आठ से 10 लाख रुपये अतिरिक्त कीमत बढ़ाकर आवंटियों की पत्र जारी किया। फ्लैट के एरिया में किसी तरह की बढ़ोतरी न होने के बाद भी कीमत बढ़ाने पर आवंटियों ने विरोध कर ज्ञापन दिया। कुछ आवंटी कोर्ट गए। परिषद के पास 2000 आवंटियों पर बढ़ाया गया था आठ से 10 लाख रुपये तक का बोझ दोषियों की तीन वर्ष तक कटेगी तीन प्रतिशत पेंशन- आवास विकास परिषद सचिव नीरज शुक्ला ने बताया कि जांच में सामने आया कि इंजीनियरों ने एयरपोर्ट प्रशासन से अनापत्ति लिए बिना ही योजना लांच की और 16 की बजाय 14 मंजिल टावर बनाए। इससे परिषद को कोई आर्थिक नुकसान नहीं हुआ क्योंकि दी मंजिल कम बनने से जो खर्च बढ़ रहा था उसे आवंटियों से लिया गया। जो चार इंजीनियर दोषी पाए गए उनमें अवर अभियंता राजीव अग्रवाल, सहायक अभियंता सत्येंद्र कुमार कुंदन, प्रभारी अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार और प्रभारी अधीक्षण अभियंता आरएल यादव शामिल हैं। यह सभी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इनकी पेंशन से तीन साल तक तीन प्रतिशत की कटौती की जाएगी। आवंटियों के सवालों का जवाब नहीं था कि एयरपोर्ट प्रशासन की बिना अनापति योजना में 16 मंजिल बनाने का निर्णय अवध विहार योजना के भागीरथी और मंदाकिनी एन्क्लेव में 16 के बजाय बनाए थे 14 मंजिला टावर परिषद् को नुकसान पहुंचाने वाले इंजीनियर पर कार्रवाई सचिव ने बताया मेरठ में तैनाती के दौरान अधीक्षण अभियंता प्रमोद कुमार ने करीब चार वर्ष पहले एक फ्लैट को नीलामी में यह कहकर अधिक कीमत लगाने वाले को अधटित नहीं किया कि अगली बार अधिक कीमत आ सकती है। दोबारा नीलामी निकाली तो पहली बार से कम कीमत पर फ्लैट बेच दिया। ऐसे में लापरवाही से परिषद को नुकसान पहुंचाया। जिसको लेकर विभागीय कार्रवाई किए जाने का प्रस्ताव बोर्ड ने पास किया है। क्यों लिया गया। इसके बाद जांच के लिए कमेटी बनाई गई थी। मामले में बचने के लिए इंजीनियरों ने विवाद खड़े किए। इसके बाद फिर जांच हुई, लेकिन मामले को टाले रख गया। जब सभी सेवानिवृत्त हो गए तो चार इंजीनियर दोषी पाए गए और कारवाई की खानापूर्ति की गई।

दोषियों की तीन वर्ष तक कटेगी

तीन प्रतिशत पेंशन- आवास विकास परिषद सचिव नीरज शुक्ला ने बताया कि जांच में सामने आया कि इंजीनियरों ने एयरपोर्ट प्रशासन से अनापत्ति लिए बिना ही योजना लांच की और 16 की बजाय 14 मंजिल टावर बनाए। इससे परिषद को कोई आर्थिक नुकसान नहीं हुआ क्योंकि दी मंजिल कम बनने से जो खर्च बढ़ रहा था उसे आवंटियों से लिया गया। जो चार इंजीनियर दोषी पाए गए उनमें अवर अभियंता राजीव अग्रवाल, सहायक अभियंता सत्येंद्र कुमार कुंदन, प्रभारी अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार और प्रभारी अधीक्षण अभियंता आरएल यादव शामिल हैं। यह सभी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इनकी पेंशन से तीन साल तक तीन प्रतिशत की कटौती की जाएगी।

परिषद् को नुकसान पहुंचाने वाले इंजीनियर पर कार्रवाई

सचिव ने बताया मेरठ में तैनाती के दौरान अधीक्षण अभियंता प्रमोद कुमार ने करीब चार वर्ष पहले एक फ्लैट को नीलामी में यह कहकर अधिक कीमत लगाने वाले को अधटित नहीं किया कि अगली बार अधिक कीमत आ सकती है। दोबारा नीलामी निकाली तो पहली बार से कम कीमत पर फ्लैट बेच दिया। ऐसे में लापरवाही से परिषद को नुकसान पहुंचाया। जिसको लेकर विभागीय कार्रवाई किए जाने का प्रस्ताव बोर्ड ने पास किया है।

खेतों से डीजल पंपिंग सेट इंजन चोरी करने वाले तीन चोर सहित खरीदने वाला कबाड़ी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा इलाके में 3 दिन पहले किसानों के खेतों से चार डीजल पंपिंग सेट इंजन चोरी करने वाले तीन चोरों और उन्हें खरीदने वाले एक कबाड़ी को पुलिस ने गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस ने पकड़े गए चोरों के पास से चारों पंपिंग सेट इंजन खुली हुई अवस्था में बरामद किए हैं। बंथरा थाना प्रभारी निरीक्षक राम सिंह के मुताबिक बीबीपुर गांव में रहने वाले कमलेश चौरसिया व तीन अन्य लोगों के खेतों पर सिंचाई के लिए लगे चार डीजल इंजन बीती 24 /25 दिसंबर की रात चोरी हो गए थे। इस पर कमलेश चौरसिया ने शुक्रवार को बंथरा थाने में धारा 303(2) के तहत अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही थी। तभी शुक्रवार दोपहर करीब 11 बजे मुखबिर से उसे सूचना मिली कि इस घटना में शामिल तीन युवक थाना क्षेत्र स्थित कुरौनी मोड़ के पास मौजूद हैं। सूचना पाकर मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक साजिद शाह के साथ पहुंची पुलिस टीम ने तीनों को वहीं से धर दबोचा। पुलिस ने पूछताछ की तो तीनों ने अपना नाम बंथरा के बीबीपुर गांव निवासी दीपू चौरसिया, यहीं का रहने वाला साहिल रावत और सरोजनीनगर के बद्री नगर, नादर गंज निवासी मुस्तकीम शेख बताया। पुलिस पूछताछ में तीनों ने बताया कि उसने चोरी किए पंपिंग सेट के इंजन सरोजनीनगर के बदाली खेड़ा निवासी कबाड़ी इमरान अंसारी की ट्रांसपोर्ट नगर स्थित दुकान में बेचे हैं। यह जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम ने कबाड़ी इमरान अंसारी को उसकी दुकान से मय चोरी के इंजन सहित पकड़ लिया। पुलिस ने चारों खुले इंजन बरामद करने के साथ ही तीनों चोरों और एक कबाड़ी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बप्पा श्री नारायण वोकेशनल इंटर कॉलेज में 64 वीं वार्षिक एथलेटिक्स दो दिवसीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । बप्पा श्री नारायण वोकेशनल इण्टर कालेज में शुक्रवार को 64वीं वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता का दो दिवसीय भव्य आयोजन मुख्य अतिथि, निदेशक हेल्थ सिटी विस्तार के डॉ. संदीप कपूर जी ने गुब्बारे उड़ाकर किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्रों को शुभ आशीर्वाद देकर उनका उत्साहवर्धन किया। बप्पा श्री नारायण वोकेशनल इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष टी.एन. मिश्र ने छात्रों को सफलता के टिप्स देकर उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी। सहायक मंत्री/प्रबंधक डॉ मौलेन्दु मिश्र एवं कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार शुक्ल ने भी सम्बोधित किया। वार्षिक खेलकूद कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वन्दना , फुटबॉल ड्रिल डांस , अन्य प्रोग्राम के बाद छात्रों द्वारा मार्च पास्ट निकाला गया। इस प्रतियोगिता में खेल के प्रति छात्रों में काफी उत्साह दिखाई दिया। पहले दिन 800 मीटर, 400 मीटर ,200 मीटर , 100 मीटर दौड़ की हिट्स कराई गई।सभी के फाइनल परिणाम दूसरे दिन आयेंगे। प्रधानाचार्य श्री अनुराग दीक्षित ने अतिथियों को बुकें व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया एवं सभी को धन्यवाद दिया। सफल आयोजन के लिए खेल शिक्षक धर्मेंद्र व आलोक जी की प्रशंसा की।

नए आपराधिक कानून को लेकर कैप्सूल कोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेंसिक साइंस में नए आपराधिक कानून को लेकर चल रहा साप्ताहिक कैप्सूल कोर्स प्रशिक्षण शुक्रवार देर शाम संपन्न हो गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के फतेहपुर, बुलंदशहर, बलिया, बरेली, गौतम बुद्ध नगर, अलीगढ़, अमरोहा और कानपुर नगर आदि जिलों के 36 निरीक्षक / उप निरीक्षकों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण में प्रथम विजेता रहे मुरादाबाद के अजय कुमार, द्वितीय विजेता कानपुर नगर के वरुण प्रताप और तृतीय स्थान पर रहे बागपत के कुंवर पाल सिंह को मुख्य अतिथि महानिदेशक सीबीसीआईडी एसएन साबत ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हमें जीवन में ज्ञान विपासु होना चाहिए। जब तक हमारे अंदर सीखने की ललक पैदा नहीं होगी, तब तक हम कुछ सीख नहीं सकते। उन्होंने कहा कि नए कानून में 7 साल से अधिक की सजा संबंधित अपराधों में फॉरेंसिक को अनिवार्यता दी गई है। कहा कि डिजिटल अरेस्ट के प्रकरणों से लोग परेशान हैं। इन सभी चुनौतियों के लिए हमें तैयार रहना होगा। संस्थान के अपर पुलिस महानिदेशक / संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य लीडरशिप तैयार करने का है, ना कि किसी प्रकार की केवल गिनती। न्याय दिलाने का कार्य ईश्वर ने पुलिस को दिया है। यदि न्याय दिलाने का कार्य आप कर रहे हैं तो इसकी महत्ता इसी में है कि यह इमानदारी से किया जाए। संस्थान के अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा ने प्रशिक्षणाथियों को मनोयोग से प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लेने और अनुशासन बनाए रखने के लिए साधुवाद दिया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में मौजूद पूर्व निदेशक सीएफएसएल हैदराबाद केएम वाष्णेय और डीपी गंगवार को प्रशिक्षण के लिए धन्यवाद दिया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने महानिदेशक सीबीसीआईडी एसएन साबत को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपनिदेशक चिरंजीव मुखर्जी, फैकल्टी एसपी राय, डॉ. अरुण खत्री, विवेक यादव, डॉ. अभिषेक दिक्षित, एआर डॉ. श्रुति दास गुप्ता व चंद्रमोहन सिंह, कार्तिकेय, जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी और प्रतिसार निरीक्षक बृजेश सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

समाचार

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व.डॉ. मनमोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिल्ली पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह जी के पार्थिव शरीर को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजली दी 7 अपने शोक सन्देश में सपा प्रमुख ने कहा कि सत्य और सौम्य व्यक्तित्व के धनी महान अर्थशास्त्री भूतपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का निधन एक अंतर्राष्ट्रीय अपूरणीय क्षति है 7 सपा प्रमुख ने कहा कि एक वित्तमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में आपने जो नीव रखी थी, आज जो भी परिवर्तन है उसके पीछे आपकी ही प्रेरणा और आपका बुनियादी काम रहा 7 यही आगे भी नये भारत को दिशाबोध कराता रहेगा, नई राह बनाता रहेगा।

डी सी पी ने न्यायालय सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षणकिया, संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डीसीपी पश्चिमी, एसीपी चौक और प्रभारी निरीक्षक वजीरगंज ने कोर्ट सुरक्षा प्रभारी और पुलिस फोर्स के साथ न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान न्यायालय की सुरक्षा को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने सुरक्षा में तैनात फोर्स को सतर्क रहने और तय मानकों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। इस पहल का उद्देश्य न्यायालय परिसर की सुरक्षा को सुनिश्चित करना और किसी भी अप्रिय घटना को रोकना है।

मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर के गुलाल खेड़ा, पिपरसण्ड निवासी महिला शकुंतला ने रमेश, वीरेंद्र और रोहित नामक लोगों के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शकुंतला का कहना है कि 22 दिसंबर को 7 बजे वह अपने प्लाट पर काम कर रही थी। तभी वहां पहुंचे रमेश, वीरेंद्र और रोहित गाली गलौज करने लगे। मना करने पर हाथापाई शुरू कर दी और मुझे व मेरी बेटी मोनिका को मारा पीटा। बाद में जान से मारने की धमकी देकर चले गए। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में शटरिंग कारीगर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा इलाके में शुक्रवार सुबह एक शटरिंग कारीगर ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान गवां दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खटोला गांव निवासी रामप्रताप रावत के बेटे उमेश 25 वर्ष की 2 वर्ष पहले मोहनलालगंज के नवल खेड़ा, डेहवा में रहने वाली मोनी के साथ शादी हुई थी। उमेश शटरिंग का काम करता था। शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे उमेश अपने कमरे से निकलकर बाहर चला आया। सुबह करीब 7 बजे घर के लोगों ने देखा तो वह आंगन में लगी जाल से दुपट्टे के सहारे मृत लटका मिला। यह देखकर परिजनों में चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना बंथरा पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल उसने ऐसा क्यों किया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। मृतक उमेश के परिवार में उसके पिता मजदूर राम प्रताप के अलावा मां लीलावती, शादीशुदा बड़ा भाई सुभाष व बड़ी बहन केतकी के साथ ही दो अविवाहित छोटी बहनें रितु और खुशबू हैं। जिनका घटना के बाद रो-रो कर बुरा हाल है।

तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा इलाके में गुरुवार रात तेज रफ्तार ट्रेलर ने ट्रैक्टर में जोरदार ठोकर मार दी। जिससे ट्रैक्टर गड्ढे में जा गिरा। ट्रैक्टर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर चालक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उसे लोक बंधु अस्पताल रेफर कर दिया। लोक बंधु में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बंथरा के नरेरा गांव निवासी मति राम यादव का बेटा व ट्रैक्टर चालक सचिन यादव उम्र 20 वर्ष गुरुवार रात करीब साढ़े 8 बजे ट्रैक्टर लेकर घर जा रहा था। बनी - मोहान रोड पर कटी बगिया के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने ट्रैक्टर में पीछे से जोरदार ठोकर मार दी। जिससे ट्रैक्टर गड्ढे में जा गिरा और उसका चालक सचिन गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायल ट्रैक्टर चालक को इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे लोकबंधु अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन लोक बंधु में इलाज के दौरान ट्रैक्टर चालक सचिन की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर घटना के बाद ट्रेलर चालक अपना वाहन लेकर मौके से भाग निकला।

मेरी यात्रा, अटल यात्रा नाटक का मंचन सफल रूप से सम्पन्न हुआ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अटल जयंती के अवसर पर भारतोदय संस्था द्वारा नाटक मेरी यात्रा, अटल यात्रा का मंचन चन्द्र भूषण सिंह के निर्देशन में संत गाडगे प्रेक्षागृह संगीत नाटक अकादमी, गोमतीनगर, लखनऊ में दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। नाटय कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यसभा सदस्य व पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, स्थानीय विधायक ओ. पी. श्रीवास्तव, पूर्व मंत्री व पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक बाजपेई तथा संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष जयंत खोत के द्वारा संयुक्त रूप से भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई की प्रतिमा के सामने दीप प्रवलन कर किया गया। नाटक में कलाकारों ने अटल जी के जन्म से लेकर संघ प्रचारक बनने, राष्ट्रधर्म पाञ्चजन्य (पत्र) के संपादक बनने, प्रथम बार बलरामपुर से सांसद बनने, भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष बनने, विदेशी मंत्री तथा भा. ज. पा. के संस्थापक अध्यक्ष बनने व प्रधानमंत्री बनने आदि का उल्लेख कलाकारों द्वारा किया गया। अटल जी की भूमिका में कलाकार ने अपने विभिन्न अवसरो पर भाषण तथा समय समय पर लिखें गीतो का उल्लेख किया। नाटक में अटल जी की भूमिका में विपिन कुमार, तथा अन्य कलाकारों में शिवम मिश्रा, जूही कुमारी, अभिषेक मिश्रा, आशीष पाण्डेय, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, सौम्या सिंह, आदि ने अभिनय किया। अन्त में अटल जी की कविता – मै जी भर जिया, मै मन से मरूं, लौट कर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं के गीत के साथ नाटक का समापन हुआ।

लखनऊ के नगर निगम जोन 8 में तैनात अधिकारियों कर्मचारियों पर अनिमितता ,भ्रष्टाचार के लगाए गए आरोप निराधार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ जोन 8 मे तैनात अधिकारियों,कर्मचारियों पर संजय तिवारी चीफ ब्यूरो रश्मिखण्ड लखनऊ द्वारा बित्तीय अनिमितता,भ्रष्टाचार जैसे लगाए गए आरोपों को एमएलसी रामचंद्र सिंह प्रधान ने पूर्णतः खंडन करते हुए कहा है कि संजय तिवारी द्वारा वास्तविक तथ्यों को छिपाकर हस्ताक्षर करवा लिया गया इतना ही नहीं संजय तिवारी ने पूर्व में भी नगर निगम लखनऊ जोन 8 के अधिकारियों,कर्मचारियों से गलत तरीके से फाइलों को करने का दबाव बनाया था अधिकारियों द्वारा फाइलें न करने पर संजय तिवारी द्वारा फर्जी सिकायत करके नगर निगम लखनऊ जोन 8 के अधिकारियों,कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जाता रहा। इसमें जोन 8 के जोनल अतीय राय,देबी शंकर दुबे पर संजय तिवारी द्वारा लगाए गए आरोप पूर्णतयः झूंठे हैं एमएलसी रामचंद्र प्रधान ने अपने पत्र के माध्यम से सच्चाई को उजागर किया।

पीएनसी की लापरवाही से नाला खुदाई के दौरान सीएनजी पाइपलाइन फटी,मचा हड़कंप

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर में शुक्रवार को पीएनसी की लापरवाही से नाला खुदाई के दौरान सीएनजी पाइपलाइन फट गई। पाइपलाइन फटने से सीएनजी गैस का काफी तेज रिसाव होने लगा। इससे आसपास लोगों में हड़कंप मच गया। आनन फानन इसकी सूचना पुलिस और फायर कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने वहां से सभी लोगों को दूर हटाया और पीएनसी कर्मी रिसाव बंद करने में जुट गए। जब तक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची, तब तक रिसाव बंद किया जा चुका था। बाद में संबंधित विभाग ग्रीन गैस लिमिटेड (जीजीएल) को सूचना दी गई। जिसके बाद पहुंचे इंजीनियरों ने क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को ठीक किया। तब लोगों ने राहत की सांस ली। फिलहाल इस घटना से आसपास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। उनका कहना था कि अगर तुरंत इस मामले में ध्यान न दिया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। बताते हैं कि कानपुर एलीवेटेड रोड निर्माण में लगी पीएनसी कंपनी द्वारा शुक्रवार को गौरी बाजार में हीरालाल यादव डिग्री कॉलेज के पास नाला बनाने के लिए जेसीबी मशीन से खुदाई की जा रही थी। तभी जेसीबी की चपेट में आकर भूमिगत सीएनजी पाइप लाइन कट गई और उससे गैस का रिसाव होने लगा।

बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज आरज़ू एक प्रेम कहानी समेत तीन वेब सीरीज का ट्रेलर रिलीज

पांच भाषाओं में ओटीटी चैनल पर रिलीज करने की तैयारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मूवी वॉलेट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज आरजू एक प्रेम कहानी का ट्रेलर शुक्रवार को लखनऊ के एक निजी होटल में रिलीज किया गया। इस दौरान मूवी वॉलेट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी तथा निर्माता–अभिनेता विजय कुमार गुप्ता ने तीन अन्य वेब सीरीज का मुहूर्त कर जनवरी से शूटिंग करने की घोषणा कर दी है। बता दें कि अपनी पहली भोजपुरी फिल्म बब्बर और मैं तेरा लाड़ला से चर्चा में आये अभिनेता विजय गुप्ता इन दिनों वेब सीरीज के निर्माण में जुट गये हैं। तीन वेब सीरीज की शूटिंग सम्पन्न होने के बाद उन्होंने मूवी वॉलेट इंटरटेंमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी पहली वेब सीरीज आरजू एक प्रेम कहानी का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। जिसे दर्शकों से काफी सराहना मिल रही है। विजय गुप्ता ने बताया कि आरजू एक प्रेम कहानी प्रेम और विश्वास के गहरे पहलुओं को उजागर करती है। जिसमें विश्वासघात और मानवीय भावनाओं का का बेहतरीन चित्रण किया गया है। यह वेब सीरीज आज के दौर में घट रही घटनाओं पर आधारित है। कहानी प्रेम और विश्वास के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसमें अभिनेता की मुंहबोली बहन ने दोस्त के साथ मिलकर अपने भाई के खिलाफ ही गहरी साजिश रचकर विश्वास, प्रेम एवं रिश्तों को तार–तार कर दिया। इस तरह की घटनाएं सभ्य समाज में अक्सर देखने को मिलती हैं। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए निर्माता एवं अभिनेता विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि वेब सीरीज के निर्माण में उनकी पूरी टीम ने सराहनीय काम किया है। अपनी पूरी टीम की सराहना करते हुए विजय गुप्ता ने कहा कि जिस तरह से वेब सीरीज के निर्माण में सभी ने अपने किरादार को बखूबी निभाया है चाहे वो कलाकार हों या प्रोडक्शन टीम के सदस्य दर्शकों के दिलों में धर कर जाएगी इसकी कहानी। उन्होंने कहा कि पोस्ट प्रोडक्शन का कार्य पूरा होने के बाद, इसका पहला भाग जल्द ही यू–ट्यूब चैनल मूवी वैलेट पर रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा दूसरे भाग को हर वीकेंड पर दिखाने की भी योजना है। विजय गुप्ता ने दावा किया है कि यह वेब सीरीज इतनी दिलचस्प होगी कि पहला भाग देखने के बाद दर्शक इसके अगले भाग का बेसब्री से इंतजार करेंगे।

पांच भाषाओं में रिलीज होगी वेब सीरीज

विजय गुप्ता ने बताया कि इस वेब सीरीज को पांच भाषाओं में मूवी वैलेट हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, गुजराती एवं भोजपुरी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की योजना है। इसके साथ ही तीन नई वेब सीरीज की शूटिंग की भी घोषणा की गई है। आरजू एक प्रेम कहानी के डायलॉग, संवाद एवं स्क्रीनप्ले अरविंद यादव ने लिखा है जबकि स्वयं निर्माता–अभिनेता विजय गुप्ता ने कहानी को आयाम दिया है। बिट्टू सिंह के निर्देशन में इसे बड़े प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इसमें अभिनेता विजय कुमार गुप्ता के अलावा प्रीति कनौजिया, विनी वरुण, निक्की गोस्वामी, आकांक्षा, सुधांशु संकृत्य, विशाल, उत्कर्ष बाजपेई, विकास द्विवेदी, अभिषेक यादव, अनुपम सिंह, अशोक कुमार साहू, प्रिया नायक एवं आयुष मिश्रा ने अभिनय किया है जबकि प्रोडक्शन मैनेजर पंकज कनौजिया हैं।

संपादकीय

दूर तलक जायेगा बेलगावी का संदेश

कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित अपने दो दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निश्चय किया है। अधिवेशन के पहले ही दिन कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऐलान किया है कि हम नेहरू-गांधी की विचारधारा, बाबा साहेब अंबेडकर के सम्मान के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे। इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय कांग्रेस ने लिए हैं। जिसमें संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ चुनाव प्रक्रिया में सुधार लाने, किसानों के हितों की रक्षा करने, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को तेज करने की रणनीति बनाई जाएगी। श्री खड़गे ने कहा है कि 2025 संगठन को मजबूत करने का साल होगा, पार्टी में खाली पदों को भरा जाएगा। उदयपुर घोषणापत्र को पूरी तरह लागू किया जाएगा। पार्टी को चुनाव जीतने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जाएगा। साथ ही वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध लोगों को ढूंढा जाएगा जो संविधान और भारत के विचार की रक्षा करेंगे।खड़गे ने कहा कि केवल कड़ी मेहनत पर्याप्त नहीं, समय पर ठोस रणनीति, सही दिशा, नई शक्ति, नेतृत्व को मौका देने की जरूरत है। हमारे पास गांधी-नेहरू की विरासत है। बेलगाव से नए संकल्प के साथ लौटेंगे, यह भरोसा श्री खड़गे ने जताया। वहीं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी इस अधिवेशन में शामिल नहीं हो पाईं, लेकिन अपने संदेश में उन्होंने कहा कि दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों से महात्मा गांधी की विरासत खतरे में है। जिन संगठनों ने कभी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी, उन्होंने महात्मा गांधी का कटु विरोध किया, विषाक्त वातावरण बनाया जिसके कारण उनकी हत्या कर दी गई। आइए हम व्यक्तिगत रूप से, सामूहिक रूप से, पार्टी के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्परता की नई भावना के साथ संकल्प के साथ आगे बढ़ें। गौरतलब है कि ठीक सौ वर्ष पूर्व इसी स्थल पर कांग्रेस का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अधिवेशन हुआ था जो महात्मा गांधी द्वारा की गयी सदारत का पार्टी का एकमेव अधिवेशन है। जिस प्रकार से उस अधिवेशन में गांधीजी ने आपसी भेदभाव भुलाकर फिरंगियों के खिलाफ लड़ाई तेज करने और आजादी हासिल करने तक शांत न बैठने का आह्वान किया था, इस अधिवेशन में भी कांग्रेस ने संकल्प लिया कि जनविरोधी और निरंकुश हो चुकी भाजपा सरकार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाया जायेगा। इस अधिवेशन के लिये कांग्रेस ने अपना घोष वाक्य जय बापू-जय भीम-जय संविधान निर्धारित किया है, जो अपने आप में यह बतलाने के लिये काफी है कि पार्टी गांधीवादी मूल्यों के साथ संविधान को बचाने के लिये देश में बड़ी लड़ाई छेड़ेगी। लोकसभा के लगातार तीन चुनाव जीतते हुए पिछले 11 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जिस तरह से सारी शक्तियों का केन्द्रीकरण किया है और निरंकुश कार्य पद्धति अपना रखी है, उसके विरूद्ध कांग्रेस संसद के भीतर व बाहर संघर्ष तो छेड़े हुए ही है, उसने इस अधिवेशन में जो संकल्प लिये हैं वह उसी लड़ाई को तेज व धारदार करेगी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संगठन को नया रूप देते हुए नवसंकल्पों के साथ पार्टी बेलगावी से निकलेगी और पूरे देश में अपने निश्चयों को पूरा करने हेतु जी-जान से जुट जायेगी। नव सत्याग्रह के नाम से आयोजित बेलगावी अधिवेशन ऐसे समय में हो रहा है जब देश अनेक तरह के अच्छे-बुरे घटनाक्रमों के बीच से होकर गुजर रहा है। जो सामने दिख रहा है, वह यह कि 11 वर्षों में मोदी एंड कम्पनी ने लोकतांत्रिक व संसदीय मर्यादाओं तथा परम्पराओं को तार-तार कर दिया है, तमाम संवैधानिक संस्थाओं को शक्तिहीन कर देश पर एकछत्र राज कायम किया है और लोकहितों को पूरी तरह से उपेक्षित करते हुए एक बदहाल देश खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं, विरोध की आवाज को बन्द करने के लिये उसने न केवल विपक्षी दलों में अनैतिक तरीकों से तोड़-फोड़ की है, बल्कि प्रेस की आजादी को भी कुचलकर रख दिया है। मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश में लोकतंत्र को नेस्तनाबूद करने के लिये घृणित अभियान चलाये गये। उन्होंने पहले श्कांग्रेस मुक्त भारतश् और फिर विपक्ष मुक्त भारत के न केवल नारे दिये बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर उतारने के लिये ऑपरेशन लोटस चलाया। विपक्षी नेताओं को लालच देकर या केन्द्रीय जांच एजेंसियों के जरिये डरा-धमकाकर अपनी पार्टी में शामिल किया और विरोधी दलों की निर्वाचित कई सरकारें गिराई गयीं। अपनी नापाक करतूतों को डबल इंजन सरकार का नाम देकर देश के संघीय ढांचे को ध्वस्त किया गया है।

फिर नदी जोड़

यह सुखद ही है कि जिन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम शुरू होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह फीसदी आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फ चार फीसदी पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है।

> "भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था"

सरकार अर्थव्यवस्था और व्यापार की कमान संभालती है रिजर्व बैंक नहीं

नन्तू बनर्जी

रिजर्व बैंक के नये गवर्नर संजय मल्होत्रा, जो एक पेशेवर नौकरशाह और पूर्व राजस्व सचिव हैं, से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, घरेलू मुद्रा को स्थिर करने, विदेशी मुद्रा नियंत्रण और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने जैसे केंद्रीय बैंक प्रमुख के प्रमुख कार्यों को पूरा करने के मामले में बहुत उम्मीद करना अनुचित होगा। यदि 2014 के बाद से रिजर्व बैंक के तीन पूर्ववर्ती गवर्नर – रघुराम राजन, उर्जित पटेल और शक्तिकांत दास – उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम नहीं थे, तो यह उम्मीद करने का कोई कारण नहीं है कि वर्तमान रिजर्व बैंक गवर्नर का प्रदर्शन बहुत अलग होगा। शक्तिकांत दास, जो एक पेशेवर नौकरशाह और पूर्व वित्त सचिव भी हैं, का रिजर्व बैंक गवर्नर के रूप में दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल था। इसके बावजूद दास ने मूल्य और मुद्रास्फीति को रोकने में बहुत कम सफलता हासिल की, खासकर मजदूरों से जुड़े वस्तुओं के मामले में, जैसे खाद्यान्न, वस्त्र, दूध, साबुन, चीनी आदि,जो देश की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले निम्न और मध्यम आय वर्ग को चिंतित करते हैं। वह रुपये के विनिमय मूल्य में गिरावट को भी नहीं रोक पाये, तथा बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, आवक और जावक दोनों तरह से धन प्रवाह के प्रवाह, एवं व्यापार और आर्थिक विकास को भी स्थिर नहीं रख सके। इसके विपरीत चिंताजनक रूप से, रुपया-अमेरिकी डॉलर विनिमय समता 2014 से 40 प्रतिशत से अधिक गिर गयी है। एक अमेरिकी डॉलर के लिए विनिमय दर60.34 रुपये से बढ़कर अब 85 रुपये से अधिक हो गयी है।

निश्चित रूप से यह आरबीआई गवर्नर के अधिकार में नहीं है कि वह स्वतंत्र रूप से अपने कार्यात्मक उद्देश्यों को आगे बढ़ायें और अपनी सफलता या विफलता के लिए जिम्मेदार हों। यह अक्सर होता है कि आरबीआई गवर्नर सरकार और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बड़े औद्योगिक उधारकर्ताओं के दबाव में काम करते हुए देखे जाते हैं।पिछले 10 वर्षों (2013-2023) में भारत की औसत जीडीपी वृद्धि दर 8.5 प्रतिशत थी। मजदूरों से जुड़े सामान के लिए औसत खुदरा मुद्रास्फीति दर लगभग नौ प्रतिशत थी। यह कहना मुश्किल है कि आरबीआई की ब्याज दर में हेरफेर पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की उच्च मुद्रास्फीति प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने में कितनी प्रभावी रही है। आरबीआई द्वारा तय की गयी प्राइम लेंडिंगरेट का देश की अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति दरों और खपत पर बहुत कम प्रभाव पड़ा। अप्रैल 2012 में भारत की उच्चतम बैंक ऋण दर 12.56 प्रतिशत थी। 2012 से 2024 तक भारत में औसत बैंक ऋण दर 10.61 प्रतिशत थी। मुद्रास्फीति नियंत्रण, विनिमय दर स्थिरता, आर्थिक स्थिरता, व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और निर्यात को बढ़ावा देने के संबंध में आरबीआई की नीतियां इन क्षेत्रों में सरकार के अपने निर्णयों, कार्यों या निष्क्रियताओं से काफी प्रभावित होती हैं, यदि काफी हद तक निर्देशित नहीं होती हैं तो भी। कागज पर, केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति के लिए जिम्मेदार है, जिसमें मुद्रा आपूर्ति का निर्धारण करना, मुद्रा मूल्य को स्थिर करने में मदद करने के लिए मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने सम्बंधी नीतियों को लागू करना शामिल है। यदि आरबीआई रुपये की विनिमय दर स्थिरता बनाये रखने में विफल रहा है, तो इसका कारण यह है कि सरकार देश को पर्याप्त रूप से आत्मनिर्भर बनाने में पूरी तरह विफल रही है। देश तेजी से आयात पर निर्भर होता जा रहा है, जिससे साल दर साल भारी व्यापार घाटा हो रहा है। इससे रुपये की विनिमय दर स्थिरता प्रभावित हो रही है। शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) कम बना हुआ है, हालांकि आरबीआई की नीति एफडीआई के अनुकूल है। आरबीआई देश और उसके बाजार के बारे में विदेशी निवेशकों की धारणा को बदलने के लिए कुछ खास नहीं कर सकता, जो मूल रूप से सरकार का काम है। 2024 के दौरान भारत का शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केवल 10.58अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास रहने की उम्मीद है। सरकार अक्सर उच्च व्यापार घाटे के लिए बढ़ते पेट्रोलियम आयात को दोषी ठहराती है। यह सच नहीं है।

भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत

संजय सक्सेना

मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है।

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है। वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है। इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों, डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर-मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धर्माचार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धर्माचार्य तय करेंगे। जब यह धर्माचार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर-मस्जिद मुद्दों में रुचि और कार्रवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन बाद आई है। बता दें जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधू संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं हीं इसके साथ-साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को 'परिवार' के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था। बहरहाल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर, राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दर्शाती है। रामभद्राचार्य ने कहा कि संभल में जो कुछ भी हो रहा था वह वास्तव में बुरा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में सकारात्मक पक्ष यह है कि चीजें हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम इसे अदालतों, मतपत्रों और जनता के समर्थन से सुरक्षित करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों पर भी चिंता व्यक्त की। बता दें हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने लोगों को ऐसे मुद्दों को न उठाने की सलाह दी। मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है।

मेष:- अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। असीम प्रतिभाओं के बावजूद असफल होंगे।
बृषभ:- विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।
मिथुन:- किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। पारिवारिक संबंधों में कटुता न आने दें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाप संभव।
कर्क:- किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलने वाली हैं।
सिंह:- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।
कन्या:- कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेगी। दूसरों की आलोचना का असर मनोबल पर कतई न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।
तुला:- कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई-नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाएं फलीभूत होंगी।
वृश्चिक:- बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा। बिना वजह दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। परिवार में खुशहाल स्थिति से मन प्रसन्न होगा।
धनु:- दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का भी योग है। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।
मकर:- रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलने का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्यक्षेत्र में क्षमताओं का लाभ उठाएंगे।
कुंभ:- रोजगार क्षेत्र में मिल रहे नये अवसरों का लाभ उठाएंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।
मीन:- आपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

उसके कदमों की तरफ देख, किधर जाते हैं

आलेख : बादल सरोज

पिछले दिनों, सप्तम सुर तक जा पहुंचे रौद्र रस में जारी भागवत कथा के बीच अचानक से कोमल सुर लग गया। हर संभव-असंभव स्थान और माध्यम से फूंकी जा रही रणभेरी के तुमुलनाद के बीच एकदम से मद्धम, लगभग लोरी-सी सुनाते हुए ओर्केस्ट्रा के प्रमुख ने अचानक कथा में लंकाकाण्ड की जगह शान्ति पर्व का पाठ शुरू कर दिया। गुरुवार 19 दिसम्बर को एक समारोह में बोलते हुए आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उठने पर चिंता जताई। ऐसा करने वालों को लगभग धिक्कारते हुए उन्होंने कहा कि : ?'%अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण के बाद कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि वे ऐसे मुद्दे उठाकर हिंदुओं के नेता बन जाएंगे, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।'% ?अब तक शीर्षासन की मुद्रा में सधी खुद संघ द्वारा रचित स्वरलिपि को पैरों पर ख?ा करने का करतब-सा दिखाते हुए उन्होंने इसे और साफ किया और कहा कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर नहीं खोज सकते। राम मंदिर आस्था का मामला था, लेकिन हर दिन नए विवाद नहीं उठा सकते। इन झगड़ों से कुछ लोग नेता बनना चाहते हैं। ? वे यही तक नहीं रुके और यहाँ तक बोल गए कि : जितनी श्रद्धा मेरी खुद की बातों (अपने धर्म) में है, उतनी श्रद्धा मेरी दूसरों की बातों (दूसरे धर्मों) में भी रहनी चाहिए। हमें यह व्यवहार पालन करना होगा ; लोभ, लालच, आक्रमण करके दूसरों की देवी-देवताओं की विडंबना ङ्क अपमान - करना, यह नहीं चलेगा। वैसे भी यह बातें हमारे देश की नहीं है। यह हमारे राष्ट्रीय जीवन में समा ही नहीं सकती। अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक एक हैं । सबको अपने ढंग से उपासना का अधिकार है। भारत को एक रहना है । ? इसी रौ में बोलते हुए उन्होंने धर्म के आधार पर ल?ाने की अंग्रेजो की रणनीति और आखिरी मुगल बादशाह बहादुर शाह ज?र के समावेशी धर्मनिरपेक्ष आयाम का भी उल्लेख कर दिया और आव्हान किया कि भारत को यह दिखाने की जरूरत है कि हम एक साथ रह सकते हैं। हम लंबे समय से सद्भावना के साथ रह रहे हैं। अगर हम दुनिया को यह सद्भावना देना चाहते हैं, तो हमें इसका एक मॉडल बनाने की जरूरत है। आलाप के यकायक सप्तम से सीधे कोमल पर आ जाने के असर होते हैं ; संगत करने वालों के सारे सुर-ताल ग?ब?ा जाते हैं, सरोदा बिग? जाता है। सत्यकथा है कि हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के पुरोधा ब? गुलाम अली खां साहब एक मह?िल में एक कठिन पक्के राग को गाते हुए उसके लगभग शीर्ष तक पहुंच चुके थे कि तभी तबके एक प्रख्यात सारंगी वादक ने उनके साथ जुगलबंदी की पेशकश की। उस्ताद ने बहुत समझाया कि सुर बहुत ऊंचाई तक पहुँच चुका है, इस तक पहुंचने में उन्हें मुश्किल होगी, मगर वे नहीं माने और नतीजा यह निकला कि पहले पांच मिनट में ही दिल के दौरे का शिकार हो गए। जब संगीत में ऐसे बदलाव आघात पहुंचा सकते हैं, तब दिल और दिमाग दोनों में मोटी चर्बी की पर्तों के थान के थान धरे बैठे भक्तों को तो झटका लगना ही था, सो लगा। पुराने भक्त तो समय-समय पर ऐसे बदलते सुरों और तालियाँ बजवाने के लिए ग? गए मिसरों के अभ्यस्त हो चुके है, इसलिए वे थो? कम हिले, मगर मण्डली के नवागंतुकों को जोर का धक्का कुछ ज्यादा ही जोरों से लगा। ज्यादा प्याज खाने की तर्ज पर ज्यादा जोर से घंटा बजाने की उनकी 'आस्था' झंकारमान भवति भयी। सकल ब्रह्मांड में सिर्फ दो को - अलौकिक जगत में कृष्ण और लौकिक जगत में नरेंद्र मोदी को ङ्क अपना मित्र बताने वाले तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने बमक कर कहा कि : मैं मोहन भागवत के बयान से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। भागवत जी को लगभग पदच्युत करने की घोषणा-सी करते हुए बोले कि मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासक नहीं हैं, हम उनके अनुशासक हैं। प्राणप्रतिष्ठा समारोह के जमाने से ही इस गिरोह के हिंदुत्व और अहिन्दू चाल-चलन की पोल खोलने वाले ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने और भी खरी खरी सुनाई और मोहन भागवत पर राजनीतिक रूप से सुविधाजनक रुख अपनाने का आरोप लगाया ... बोले कि जब उन्हें सत्ता चाहिए थी, तब वे मंदिरों के बारे में बोलते रहे। अब जब उनके पास सत्ता है, तो वे मंदिरों की तलाश ना करने की सलाह दे रहे हैं। एक और नवागत नवातुर कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर ने कहा कि काहे के कथावाचक और काहे के सनातनी! जब तक हमारे मंदिर हमें नहीं मिल जाएंगे, तब तक कलेजे में लगी आग नहीं बुझ सकेगी। फिलहाल मुद्दा संघ प्रमुख के इस बयान पर दक्षिण से उठे कोलाहल का नहीं है, इसलिए नहीं है, क्योंकि यह एक क्षणिक और अल्पकालीन घटना है। यह तो सुगबुगाहट है, ऐसे कोहरामों तक का कुशल प्रबंधन करना इस कुनबे को आता है। इनके बूते में शास्त्रों पर अधिकार भले न हों, मगर साम, दाम, दण्ड, भेद के अभेध्य शस्त्र और उन्हें चलाने की माहिरी उनके पास हैं। इसके अलावा वे इस तरह के सुर बोलने वालों की 'मो को और न तो को ठौर' की दीन-हीन दशा से भी वाकिफ हैं और जानते हैं कि ये कितनी भी हुआं-हुआं क्यों न कर लें, सुबह होने के डर से इन्हें लौट के तो मांद में ही आना है। चिंता उनकी है, जिनकी सोच और चिन्ताधारा दक्षिणोन्मुखी नहीं है ; जो भले लोग हैं, बौद्धिक रूप से सजग हैं, उदार और धर्मनिरपेक्ष हैं, मोटा-मोटी ईमानदार भी हैं और कई तो ऐसे भी हैं, जो तूफानी अंधेरों के बीच भी चिराग जलाकर राह रोशन किये बैठे हैं। उन्हें संघ प्रमुख का यह बयान अगर अच्छा लगा है या इसे प?ते या मराठी में सुनते हुए उनके मन में कुछ आशा जगी है, थो?-बहुत बदलाव की उम्मीद नजर आई है, तो इसका मतलब सिर्फ एक है और वह यह कि वे बाकी भले कितना भी क्यों न जानते हों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में कुछ भी नहीं जानते। वे नहीं जानते कि थो?-थो? अंतरालों के बाद दिए जाने वाले इस तरह के बयान भी पटकथा का ही हिस्सा होते हैं ; हॉरर फिल्म के मध्यांतर की तरह होते है। और यह भी कि संघ इस विधा को आज से नहीं, जब से वह जन्मा है, तब से ही लगातार आजमाता रहा है और इसी तरह के शोशे उछलकर भोले और भले प्राणियों को भरमाता रहा है। यही संघ प्रमुख भागवत हैं, जिन्होंने 3 जून 2022 को नागपुर में संघ के ही एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवालय ढूँढना क्या जरूरी है? झग? बढाने का यह काम बंद होना चाहिए। यही बात वे एक बार फिर 2023 में बोले। क्या ऐसा हुआ? नहीं, बल्कि जैसे उन्होंने इशारा किया हो, मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूँढने और खुदा के नीचे भगवान खोदने का खुदाई महोत्सव ही शुरू कर दिया गया। भागवत जी राम मंदिर पर विराम और हद्दतन काशी विश्वनाथ पर इति की बात कहते रहे और इधर बाराबंकी होता रहा, मस्जिदों पर भगवा लहराए जाते रहे, सम्भल से अजमेर तक शिवालय ढूंढें जाते रहे। कौन हैं यह सब करने वाले? ये सब के सब उसी संघ के अनुषंग हैं, जिनके शीर्षस्थ भागवत हैं ङ्क और ऐसे-वैसे प्रमुख नहीं है, एकानुचालिकवर्ती संघ के एकमात्र चालक ङ्क सरसंघचालक हैं। 'करें गली में ?त्ल बैठ चौराहे पर रोयें का यह स्वांग सिर्फ मस्जिद-मस्जिद मंदिर-मंदिर ढूंढ-तलाश तक ही महदूद नहीं है ; सारे का सारा माजरा ही इस पर टिका है। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में कथित हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे इसी कुनबे के वकील ने अदालत में कहा कि भारत भर में विवादित मस्जिदों और स्मारकों की संख्या लगभग 50 है। इनमें मथुरा में शाही मस्जिद, धार में भोजशाला परिसर, लखनऊ में टीली वाली मस्जिद, अजमेर में हजरत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह, मध्य प्रदेश में कमाल-उद-दीन मस्जिद, बदांयू की 800 साल पुरानी शाही इमाम मस्जिद और वाराणसी की धरहरा मस्जिद भी शामिल है। इन्ही के शरणागत हुए इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म अपनाकर पहले जितेंद्र नारायण त्यागी और इसी साल अक्टूबर में खुद का जाति उत्थान कर अपना नाम बदलकर ठाकुर जितेंद्र सिंह सेंगर करने वाले जब उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी हुआ करते थे, तब उनकी लिस्ट में 9 विवादित मस्जिदें थीं -- अयोध्या की बाबरी मस्जिद, मथुरा की ईदगाह मस्जिद, वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद, जौनपुर में अटाला मस्जिद, गुजरात के पाटन में जामी मस्जिद, अहमदाबाद में जामा मस्जिद, पश्चिम बंगाल के पांडुआ में अदीना मस्जिद, मध्य प्रदेश के विदिशा में बीजा मंडल मस्जिद और दिल्ली की कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद। नब्बे के दशक में राम मंदिर आन्दोलन की शुरुआत करते में विश्व हिन्दू परिषद ने %झांकी है ङ्क बाकी है% के नारे के साथ कोई ढाई हजार पूजा स्थलों को बाबरी बनाने का एलान किया था। इसके बाद यह संख्या बढती गयी और अब 'मुस्लिम बादशाहों के राज में तो? गए 60 हजार मंदिरों के पुनरोद्धार' तक पहुँच गयी है। इनमें दिल्ली की ?ुतुब मीनार से लेकर आगरा का ताजमहल तक शामिल हैं। कौन हैं ये लोग? ये सब के सब उसी संघ के अनुषंग हैं, जिनके शीर्षस्थ भागवत हैं!! उनका यह बयान क्या इन सभी दावों को विराम देने और इस मुहिम को खत्म कर देने की बात करता है? नहीं!! इसी वितंडा और इसकी आ? में की जाने वाली हिंसा पर रोक लगाने के लिए इस देश की संसद ने पूजास्थलों की यथास्थिति बनाए रखने का कानून बनाया था। प्लेसेस ऑफ़ वर्शिप एक्ट 1991 कहता है कि 15 अगस्त 1947 को सभी धार्मिक स्थल, वह चाहे मस्जिद हो, मंदिर, चर्च या अन्य सार्वजनिक पूजा स्थल, वे सभी उपासना स्थल इतिहास की परंपरा के मुताबिक ज्यों का त्यों बने रहेंगे। उसे किसी भी अदालत या सरकार की तरफ से बदला नहीं जा सकता।

कोटेदार पर राशन वितरण नहीं करने का आरोप

■ ग्रामीणों ने डीएम से किया शिकायत ■ जांच करने गांव पहुँची सप्लाई इंस्पेक्टर

अमेठी। कोटेदार द्वारा ग्रामीणों को राशन का वितरण न करने से नाराज ग्रामीणों ने मामले की शिकायत डीएम से की थी जिसके बाद डीएम ने मामले की जांच करने के लिए सप्लाई इंस्पेक्टर को आदेश दिया था।डीएम का आदेश मिलने के बाद अमेठी तहसील की सप्लाई इंस्पेकर सुमन गांव पहुँची और ग्रामीणों से पूछताछ की।जांच के बाद सप्लाई इंस्पेक्टर डीएम को अपनी रिपोर्ट सौपेंगे।ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले तीन महीने से उन्हें राशन नही मिल रहा और शिकायत के बावजूद कोई कार्यवाही नही हो रही है। पूरा मामला भादर ब्लाक के नरबहनपुर गांव का है जहां का गांव के कोटेदार द्वारा पिछले कई महीनों से ग्रामीणों को राशन का वितरण नहीं किया जा रहा था।जिसे लेकर ग्रामीणों ने मामले की शिकायत डीएम निशा अनन्त से किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने पूरे मामले की जांच अमेठी की सप्लाई इंस्पेक्टर को सौंपा।डीएम का आदेश मिलने के बाद सप्लाई इंस्पेक्टर ने गुरुवार को गांव पहुंचकर पूरे मामले की जांच की और मौके पर मौजूद ग्रामीणों से बात की।सप्लाई इंस्पेक्टर सुमन जांच के बाद अपनी रिपोर्ट डीएम को सौपेंगी जिसके बाद कार्रवाई की जाएगी। गांव के ग्रामीण पुष्पेंद्र कुमार पाल ने कहा कि कोटेदार द्वारा पिछले महीने भी रसीद काट कर राशन का वितरण नहीं किया गया था और इस महीने भी रसीद तो काट दिया गया लेकिन राशन नहीं दिया जा रहा है। कोटेदार 1 तारीख से 20 तारीख तक रसीद काटता है और 20 से 25 तक राशन का वितरण करता है अगर उसके बाद कोई जाता है तो सीधे कोटेदार द्वारा कहा जाता है कि राशन खत्म हो गया अब नहीं मिलेगा। गांव में सैकड़ो लोग हैं जिन्हें राशन नहीं मिलता है।एक बार इसके पहले भी शिकायत की गई थी लेकिन जांच के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।वहीं अन्य ग्रामीण विशाल मिश्रा ने कहा कि पिछले तीन महीने से इस गांव में राशन का वितरण नहीं किया जा रहा है।गांव के जो दबंग है उनके घर बिना कहे ही राशन पहुंच जा रहा है।हम लोगो को पिछले तीन महीने से राशन नही मिल रहा है और शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही नही ही रही है।हमारी मांग है कि हम लोगों को राशन मिले और कोटेदार पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

जगत सिंह धाकड़ के नेतृत्व में जिला अधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

कानपुर देहात। देश की संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए बयान के बाद छिड़ा सियासी संग्राम थमने की बजाय और बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। विपक्षी राजनीतिक पार्टियां जहां इस बयान के बहाने सरकार पर हमलावर है और गृहमंत्री से माफी व इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं अब अंबेडकरवादी संगठनों ने भी गृहमंत्री के बयान के विरोध में प्रदर्शन शुरू कर दिया है और सड़क पर उतरकर जमकर हल्लाबोल करते नजर आ रहे है। साथ ही पद से हटाए जाने और कार्रवाई की मांग कर रहे है। इसी के चलते जनपद कानपुर देहात के जिला मुख्यालय माती में आज कई अंबेडकरवादी संगठनों ने जमकर हल्लाबोल किया। इस दौरान जहां उन्होंने विरोध मार्च निकालकर जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। वहीं राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा।

देहात पुलिस ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री की 100 वीं जयंती

सिकंदरा कानपुर देहात। जनपद में आज पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने रिजर्व पुलिस लाइन्स परिसर में अटल जी के आदर्शों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।पुलिस अधीक्षक ने दीप प्रज्वलित कर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी और कहा कि अटल जी का जीवन सशक्त, समृद्ध और स्वावलंबी भारत के निर्माण के लिए समर्पित था। उन्होंने भारतीय राजनीति और समाज में उत्कृष्ट लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों का पालन किया, जो हम सभी के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से आग्रह किया कि वे अटल जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और देश की सेवा में हमेशा तत्पर रहें।इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी लाइन और अन्य पुलिस अधिकारियों सहित कर्मचारियों ने भी अटल जी के जीवन और उनके योगदान को याद किया। जनपद के सभी थानों पर भी अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाई गई।

85वीं जयंती पर पूर्व विधायक दिवंगत सूर्यदेव सिंह को दी गई श्रध्दांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

झरिया /धनबाद। शुक्रवार को झरिया के पूर्व विधायक एवं कोयलांचल के शहद सम्राट मजदूर मसीहा स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह जी की 85 वी जयंती पर झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने सहयोगियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ कतरास मोड स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावमिनी श्रद्धांजलि दे कर उनका आशीर्वाद लिया वही इस अवसर पर विधायक श्रीमती सिंह ने उपस्थित सभी से वीर विधायक स्वर्गीय सूर्यदेव सिंह जी के दिखाए गए आदर्शों पर चलने का आह्वान किया ताकि पूरी झरिया अपराधमुक्त और भयमुक्त हो सके। इस दौरान मुख्य रूप से स्वरूप भट्टाचार्य राज किशोर जैना अवधेश साव अरुण साव दिलीप भारती अरिंदम बनर्जी रूपेश सिंह राहुल सिंह रघु राम पिंकू चौबे गोपाल चौधरी मनीष सिंह तरुण रॉय संतोष रवानी रंजीत दास पंकज सिंह रवि आजाद संजय महतो आदि मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को दी गई श्रद्धांजलि

मैथा कानपुर देहात। कस्बा शिवली स्थित रामेश्वर पब्लिक स्कूल में शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं द्वारा तुलसी मां के वृक्ष का विधि विधान से पूजन किया गया। इस दौरान विद्यालय में क्रिसमस डे एवं पूर्व प्रधानमंत्री के जन्म शताब्दी के अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ईसा मसीह के जन्मदिन पर क्रिसमस ट्री को सजाकर शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा केक काटा गया तथा सेंटा क्लाज ने बच्चों को टॉफियां एवं उपहार भेंट किये। वही विद्यालय के प्रबंधक समेत सभी शिक्षकों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। नगर पंचायत शिवली स्थित रामेश्वर पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं एवं समस्त स्टाफ व प्रबंधक के द्वारा तुलसी पूजा का आयोजन किया गया। तुलसी मैया के वृक्ष को फूल व माला एवं सिंदूर से विधि विधान से पूजन कर भोग लगाया गया द्य साथ ही क्रिसमस दिवस के शुभ अवसर पर सैंटा क्लॉस ने बच्चों को टॉफियां व उपहार भेंट कर क्रिसमस का पर्व भी धूमधाम से मनाया। सैंटा क्लॉस सभी वर्ग के छात्रों के क्लास रूम में जाकर टाफी बाटी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ राम शरण तिवारी ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बच्चों को बताया कि हम सभी को उनके जीवन से एक सीख लेनी चाहिए की किस तरह से एक सामान्य परिवार का व्यक्ति पूरे विश्व का सर्वमान्य नेता बना और हमारे देश का प्रधानमंत्री भी बना। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रधानाचार्य प्रीति दीक्षित विद्यालय के कोऑर्डिनेटर दीक्षा व शिक्षिकाएं रितिका सिंह, साक्षी, श्रेया, सृष्टि त्रिवेदी, पूनम अनन्या, दिव्या सिंह, रागिनी, दीपिका, अंशिका, देवांशी, पूर्णिमा दिव्यांशी, कविता व प्रमोद कुमार तिवारी अनुराग आदि उपस्थित रहे।

सुशासन दिवस पर राजकीय हाई स्कूल जैसलपुर में पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी की मनाई गई जयंती

राजपुर कानपुर देहात। सुशासन दिवस पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जयंती का आयोजन राजकीय हाईस्कूल जैसलपुर में किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शबाना ने श्रद्धांजलि अर्पित कर अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़ी कई बातों का जिक्र किया है उन्होंने कहा कि उनकी जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जाती है। भारत के लिए 25 दिसंबर का एक अलग ही महत्व है। देश के इतिहास में यह तारीख न केवल क्रिसमस डे के रूप में बल्कि सुशासन दिवस के रूप में भी दर्ज है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेष रूप से छात्रों को सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति जागरूक करना है। इसका लक्ष्य बेहतर प्रशासनिक कार्यप्रणाली और नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। यह बात विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शबाना ने छात्रों को बताई उन्होंने छात्रों के साथ कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया उत्कृष्ट कविता सुनाने वाले छात्र को पुरस्कृत भी किया।

भाजपा कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई मनाया गया जन्मदिन

आजमगढ़। भारतीयजनता पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष लालगंज सूरज प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिवस विगत वर्षों की भांति सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया । इस अवसर पर 22 संगठनात्मक मंडलों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत बने मार्गो पर जुलूस निकाला गया। और जिला कार्यालय पर अटल जी के भारत माता की सेवा में किए गए कार्यों की प्रदर्शनी लगाई लगाई गई। नगर मंडल में जिला कार्यालय से लेकर पं दीनदयाल चौक तक पदयात्रा किया गया। इस अवसर पर कारागार मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार दारा सिंह चौहान मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का व्यक्तित्व ऐसा था कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर खुद को रोक नहीं पाते थे । अटल जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने भारत के विकास का जो कार्य आरंभ किया उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार पूरा कर रही है। भारत को परमाणु संपन्न राष्ट्रों की श्रेणी में लाकर खड़ा करने का साहसपूर्ण कदम अटल जी के ही दृढ इच्छाशक्ति और साहस से सम्भव था। गाम सड़क योजना ने हर गांव को सड़कों से जोड़कर गांवो के विकास का रास्ता अटल जी ने ही खोला था। एक कवि के रूप में उनकी रचनाएं हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनके जन्मदिवस के अवसर पर हम उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। स अवसर पर डा श्याम नारायण सिंह, जयनाथ सिंह, ध्रुव सिंह, प्रेम प्रकाश राय, शिवनाथ सिंह, धनश्याम पटेल, माला द्विवेदी, सच्चिदानंद सिंह , रमाकांत मिश्रा सुनील राय,मंजू सरोज, संगीता आजाद, वन्दना सिंह, आजाद अनिमर्दनन ब्रजेश यादव, हरिवंश मिश्रा, पवन सिंह, तीजा राम, सुक्खू राम भारती, विनय प्रकाश गुप्ता, मृगांक शेखर सिन्हा, विवेक निषाद, अवनीश चतुर्वेदी योगेंद्र यादव, मुन्सी निषाद, धर्मवीर चौहान , दीपक मौर्या, अखिलेश चौधरी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामित्व योजनान्तर्गत संपत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम कल

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा स्वामित्व योजनान्तर्गत संपत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम में दिनांक 27 दिसम्बर, 2024 को अपरान्ह- 12.30 बजे मा0 प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जनपद मुख्यालय एवं कतिपय ग्राम पंचायतों में किये जाने के साथ ही स्वामित्व योजना के लाभ से जन सामान्य को अवगत कराया जाना तथा कार्यक्रम के दौरान स्वामित्व योजनान्तर्गति विकसित संपत्ति कार्ड /घरौनियों का वितरण संबंधित लाभार्थियों को किये जाने के निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के क्रम में कल जनपद स्तर पर इको पार्क माती में, तहसील स्तर पर,ब्लॉक स्तर पर व ग्राम पंचायत स्तर पर संपत्ति कार्ड के वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा। जिसके लिए नोडल अधिकारी,सहायक नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। उन्होंने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि स्वामित्व योजना को पंचायती राज मंत्रालय, राज्य राजस्व विभाग, राज्य पंचायती राज विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग (एसओआई) के संयुक्त प्रयासों से लागू किया जा रहा है। कल जनपद के 331 राजस्व गांवों में स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड का वितरण कार्यक्रम प्रस्तावित है।स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार किए गए मानचित्र भू-संदर्भित मानचित्र हैं, जो ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में संपत्तियों की डिजिटल छवियों को कैप्चर करते हैं। इसके अलावा, ई-पंचायत मिशन मोड प्रोजेक्ट (एमएमपी) के तहत, पंचायती राज मंत्रालय ने एमएक्शनसॉफ्ट नामक मोबाइल आधारित समाधान लॉन्च किया है, जो आउटपुट के रूप में संपत्ति वाले कार्यों के लिए जियो-टैग (यानी जीपीएस निर्देशांक) के साथ तस्वीरें कैप्चर करने में मदद करता है।उन्होनें जानकारी देते हुए बताया कि परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग तीनों चरणों में की जाती है, जैसे कार्य शुरू होने से पहले, कार्य के दौरान और कार्य पूरा होने पर। इससे प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जल संचयन, सूखा निवारण, स्वच्छता, कृषि, चेक डैम और सिंचाई चैनल आदि से संबंधित सभी कार्यों और परिसंपत्तियों की जानकारी का भंडार उपलब्ध होगा।

घासीगंज वार्ड में पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

सुलतानपुर। घासीगंज वार्ड स्थित गभडिया क्षेत्र में जेल रोड पर जल निकासी हेतु नाली निर्माण एवं डामरीकृत सड़क निर्माण के कार्य का शुभारम्भ पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि यह सड़क काफी समय से जर्जर थी, जहां समुचित जल निकासी व्यवस्था न होने के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी, जिससे होने वाली असुविधाओं के निराकरण के लिए स्थानीय लोगों द्वारा काफी समय से निरन्तर मॉग की जाती रही है। इसी के तारतम्य में नगर पालिका द्वारा 6 मीटर चौड़ी सड़क एवं दोनों पटरियों के किनारे नालियों के निर्माण का कार्य 15वें वित आयोग मद से कराया जा रहा है। इसके बनने से राजेन्द्र नगर कॉलोनी व जेल तक आस-पास रहने वाले स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र सरोज, सभासद अन्तिमा गुप्ता व सन्दीप गुप्ता, डा0 रवि त्रिपाठी, डा0 अनिल पाण्डेय, प्रशान्त श्रीवास्तव, भूपेन्द्र श्रीवास्तव, शिवभूषण लाल श्रीवास्तव, राज कुमार सिंह, राम लखन सिंह, रीशू सिंह, रमेश सोनी, दुर्गेश श्रीवास्तव, घनश्याम कसौधन सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

प्रभात पांडेय के मृत्यु की निष्पक्ष जांच की मांग

कानपुर देहात। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा विगत 18 दिसंबर को हुए लखनऊ में विधान सभा घेराव में गोरखपुर के निवासी यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रभात कुमार पांडेय कि मृत्यु हो गई थी जिसको लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर देहात के तत्वाधान निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग व सरकार से आर्थिक सहायता की मांग को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी शालिनी उत्तम को सौंपा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा भाजपा सरकार के कुशासन खिलाफ संघर्ष करते हुए पुलिसिया बर्बरता से हमारे साथी की जान गई है कांग्रेस पार्टी महामहिम राज्यपाल महोदय से निष्पक्ष जांच की मांग करती है व शहीद प्रभात पांडेय के परिवार को सरकार एक करोड़ की आर्थिक सहायता व एक सरकारी नौकरी प्रदान करे। इस मौके पर पीसीसी सदस्य रोहित कटियार, डीपी राठौर, सुरेन्द्र कटियार, हरिशंकर चतुर्वेदी, पातीराम दिवाकर, रामावतार दीक्षित, बसंत लाल, बृजेन्द्र स्वरुप कटियार, राजेंद्र सचान, राजबहादुर दिवाकर, उपेन्द्र शुक्ला, बाबू राम कठेरिया, रविन्द्र कठेरिया, राहुल सिंह, रामबरन सिंह, रामनरायण गौर, सुरजीत, आदि कांग्रेस जन मौजूद रहे।

भीषण ठंड में लोग अलाव का ले रहे हैं सहारा

रसूलाबाद कानपुर देहात। ठंड तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। वहीं जरूरतमंद लोगों को समाजसेवी कंबल भी बांट रहे हैं। खरगपुर में समाजसेवी द्वारा कम्बल बांटे गए। जरूरतमंदों ने जहां समाजसेवी का आभार प्रकट किया वहीं जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान भी नजर आई। रसूलाबाद क्षेत्र के अंतर्गत खरगपुर खेड़ाकुर्सी निवासी वर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य समाजसेवी मनोज कुमार चौहान ने गुरुवार को अपने आवास पर जरूरतमंद तथा बुजुर्ग लोगों को दस दर्जन से अधिक कंबल वितरित किए कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। क्षेत्र पंचायत सदस्य मनोज चौहान ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से प्रतिवर्ष जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर समाज सेवा का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में मौजूद गरीबों व बुजुर्गों ने समाजसेवी मनोज को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर प्रमुख रूप से कमल नारायण, कुलदीप कुरील प्रतिनिधि सदस्य जिला पंचायत सुनासी रामसिंह यादव, विजय बहादुर, राम सिंह आदि लोग रहे।

विधायक पूनम शंखवार द्वारा दो मार्गों का किया गया शिलान्यास

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में एक्सियन आर0ई0डी0 ने बताया कि आज दिनांक 25 दिसम्बर 24 को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की 100 वी वर्षगांठ एवं उनके द्वारा चलाई गई प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की 25 वीं वर्षगांठ के अंतर्गत जन जागरूकता अभियान चलाया गया। जन जागरूकता अभियान के साथ ही माननीय विधायक श्रीमती पूनम शंखवार द्वारा दो मार्गों का शिलान्यास किया गया।प्रथम मार्ग मंगल पुर से कंडोली मंडोली मार्ग लम्बाई 6.68 किलो मीटर तथा द्वितीय मार्ग झिंझक कंचौसी रोड किमी.1से औरंगाबाद वाया लगरथा मार्ग लम्बाई 8.525 किलो मीटर यह दोनों मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 3 के बैच 1के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023- 24 में पूर्व सांसद श्री सुब्रत पाठक के प्रस्ताव से स्वीकृत हुए थे जिन पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया, जिनके पूर्ण होने की तिथि नवंबर 2025 रखी गई है।

धूमधाम से मनायी गयी महामना व अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती

भाजपाइयों ने सुशासन यात्रा निकालकर अटल जी को किया याद

प्रतापगढ़। नगर पंचायत कोहड़ौर अंतर्गत स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में बुधवार को ब्राह्मण महासभा (सम्पूर्ण भारत) द्वारा भारतरत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती धूमधाम से मनायी गयी। जयंती समारोह में उपस्थित ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों द्वारा महामना एवं अटल जी के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ ही उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस दौरान ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पं. जितेन्द्र बिहारी पांडेय द्वारा अटल बिहारी बाजपेयी के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग बताये गये। उन्होंने कहा कि अटल बिहरी बाजपेयी ने भारत को परमाणु ऊर्जा सम्पन्न राष्ट्र के रुप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। उनके कुशल नेतृत्व में देश ने कई क्षेत्रों में विकास किया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन मानवता के लिए समर्पित रहा। वहीं नगर पंचायत कोहड़ौर में ही भाजपाइयों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता बब्बू शुक्ल और मंडल अध्यक्ष कोहड़ौर विद्यासागर शुक्ल के नेतृत्व में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भाजपाइयों ने उन्हें याद किया। भाजपाइयों ने 卐सुशासन दिवस卐 के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन मनाया और पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं सुशासन यात्रा निकाला। इसके बाद चौपाल लगाकर वाजपेयी सरकार के कार्यकाल पर चर्चा हुई। इसके साथ ही पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार की उपलब्धियों व लोककल्याण वाली योजनाओं और विकास कार्यों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान अमित शुक्ल, सभासद प्रतिनिधि सत्यप्रकाश पाठक, रामसागर शुक्ल, प्रदीप कुमार, राजेन्द पाठक, ओमप्रकाश पांडेय, दीपू पाठक, विपिन मिश्र, आकाश, शुभम, उमेश पाण्डेय, अखिलेश शुक्ल समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

समाजसेवी शीलभद्र सिंह पटेल द्वारा आयोजित भोज में राजनीतिज्ञों एवं बुद्धिजीवियों का दिखा संगम

सुलतानपुर। मंगलवार को जिले के वरिष्ठ समाजसेवी शीलभद्र सिंह पटेल के गभड़िया स्थित आवास पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नववर्ष के पूर्व हवन पूजन के बाद भोज का आयोजन किया गया ! इस अवसर पर लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा,सीएमओ ओपी चौधरी, अधीक्षण अभियंता (विद्युत विभाग), एके सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी वीपी वर्मा, जिला कृषि अधिकारी सदानंद चौधरी, खंड विकास अधिकारी लंभुआ आलोक पटेल , जिला प्रशिक्षण अधिकारी संतोष कुमार, कोतवाली देहात इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह,अवनीश वर्मा जी(प्रवक्ता फिरोज गांधी पॉलिटेक्निक कालेज रायबरेली, इंस्पेक्टर कंचन सिंह जी क्राइम ब्रांच अमेठी, जेई राज किशोर सिंह, जितेंद्र वर्मा (बाजीगर), जय कुमार सिंह, ऋषभ पटेल, मनीष वर्मा, प्रमोद वर्मा ट्रेजरी ऑफिस, शिक्षक एवं समाजसेवी विजय पटेल, दैनिक जागरण पत्रकार राम अवतार वर्मा, जय प्रकाश वर्मा (ब्लॉक अध्यक्ष शिक्षक संघ) आदि अनेकों सम्मानित बुद्धिजीवियों ने आपस में चर्चा परिचर्चा के दौरान एक दूसरे के विकास एवं समाज में शिक्षा के विकास पर बोल दिया!

सिधौली विधायक मनीष रावत ने लगाया जनता दरबार

➲ जन समस्याओं का समाधान और योजनाओं की जानकारी दी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। सिधौली विधायक मनीष रावत ने अपने कार्यालय पर जनता दरबार आयोजित किया, जिसमें क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान के निर्देश दिए गए। जनता दरबार में बिजली बिलों में गड़बड़ी और राशन कार्ड से सम्बन्धित समस्याओं के साथ अधिकतर फरियादी पहुंचे।विधायक ने अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए सख्त निर्देश दिए और जनता को विश्वास दिलाया कि उनकी परेशानियों का जल्द समाधान होगा। जनता दरबार के दौरान विधायक मनीष रावत ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और स्पॉन्सर योजना के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्य मंत्री बाल सेवा योजना के तहत ऐसे बच्चे जिनके माता -पिता नहीं हैं,या माता-पिता में से कोई एक नहीं है,उन्हें शिक्षा हेतु ढाई हजार रुपए मासिक सहायता राशि दी जाएगी।और स्पॉन्सर योजना के तहत पात्र बच्चों को चार हजार रुपए मासिक सहायता राशि प्रदान की जाएगी।विधायक ने इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए पात्र परिवारों से आवेदन करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा, सरकार की ये योजनाएं बच्चों के भविष्य को सुरक्षित और उज्जवल बनाने के लिए बनाई गई हैं। हर पात्र व्यक्ति को इनका लाभ मिलना चाहिए। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और विधायक के पहल की सराहना की। इस मौके पर मनीष रावत ने उपस्थित जनता को आश्वस्त किया कि उनके सभी मुद्दों को प्राथमिकता से हल किया जाएगा।

स्वामित्व योजना से ग्रामीणों को मिलेगी अपनी आवासीय संपत्ति की सरकारी मान्यता: राजेश शुक्ला

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने स्वामित्व योजना के विषय में विस्तार से जानकारी दी। पत्रकार वार्ता में जिला अध्यक्ष ने बताया कि गांव में रह रहे ग्रामीणों को उनके आवास के संवैधानिक अधिकार प्रपत्र प्रदान कर उनको स्वामित्व प्रदान करना हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है। इस विजन के तहत कल दिनांक 27 दिसंबर 2024 को वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के विभिन्न गांव में लोगों को उनकी घरौनी (गांव में स्थित मकान व मकान की जमीन के लीगल अधिकार) प्रदान करना है उन्होंने बताया है कि इसी क्रम में दिनांक 27 दिसंबर 2024 को 10:00 बजे अपने जिले के खैराबाद में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा इस योजना के तहत लोगों को घरौनी के संवैधानिक अधिकार प्रदान किए जाएंगे। जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी उन समस्याओं को हल कर रही है जो अपने देश में विवाद के कारण थे इस योजना से जहां ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का स्वामित्व मिलेगा और इस स्वामित्व के माध्यम से उन्हें लोन इत्यादि लेने में सहायता मिलेगी जिससे गांव का विकास होगा और कई छोटे-छोटे विवादों का हल हो जाएगा जिला अध्यक्ष ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र व राज्य की सरकारी जनहित के मुद्दों पर निरंतर कार्य कर रही है और यह प्रक्रिया 2047 के भारत को विश्व गुरु बनाएगा इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक नैमिष रत्न तिवारी जिला महामंत्री विश्राम सागर राठौर उपस्थित रहे।

युवक ने घर में फांसी लगाकर दी जान

सुलतानपुर। कोतवाली देहात अंतर्गत प्रयागराज हाईवे पर स्थित अहिमाने बाजार निवासी राहुल (30) पुत्र रामकुमार बीती रात घर के अंदर छत में गमछा के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी ! घटना की परिजनों को कानों कान खबर तक नहीं लग सकी ! रात्रि लगभग 11बजे परिजनों ने देखा कि छत में लगे हुक में गमचे के सहारे फांसी लगा ली है ! घटना की सूचना तत्काल परिजनों ने पुलिस को दी, कोतवाली देहात पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ! राहुल के अचानक फांसी लगा लेने से चार नाबालिक बच्चों विपिन(7) नितिन(5)अनुष्का(3) अनन्या(2) के सिर से पिता का साया उठ गया ! पत्नी शान्ती और बच्चों सहित पूरे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है ! घटना की सूचना सुबह मिलते ही देखने वालों का तांता लग गया ! प्रतापगंज चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार यादव घटना स्थल पर मौजूद रहे !

बाबा साहब के विचारों और योगदान का भाजपा करती है सम्मान: ओंकार पाण्डेय

आजमगढ़। भारतीय जनता पार्टी के नेता ओंकार पाण्डेय ने मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस पर आरोप लगाते हुये कहा कि कांग्रेस बाबा साहब डा0 भीमराव अंबेडकर के सम्मान के नाम पर धरना प्रदर्शन कर केवल वोट की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी हृदय से बाबा साहब का सच्चा सम्मान नहीं किया। बाबा साहब देश के महानायक हैं कांग्रेस उनका राजनैतिक उपयोग कर रही है। दूसरी तरफ भाजपा बाबा साहब के विचारों उनके योगदान का हृदय से सम्मान करती है और उनके आदर्शों पर चलते हुये दलित वंचित समाज के विकास के लिये अनवरत कार्य करते हुये उन्हें आगे बढ़ाने का काम कर रही है ।भाजपा नेता ओंकार पाण्डेय ने आगे कहा कि कांग्रेस ने अतीत में बाबा साहब को चुनाव में हराने का पूरा प्रयास किया और संसद में दशकों तक उनकी तस्वीर नहीं लगने दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने काफी समय तक सत्ता में रहने के बाबजूद बाबा साहब को भारत रत्न जैसी सर्वोच्च उपाधि नही दिया और कांग्रेस ने बाबा साहब का कोई स्मारक तक नहीं बनवाया। कांग्रेस हमेशा से बाबा साहब के नाम पर केवल राजनैतिक लाभ लेने का काम करती आ रही है। भाजपा सरकार ने बाबा साहब के सम्मान में उनसे जुड़े स्थलों को पंच तीर्थ बना कर उनकी स्मृति को हमेशा के लिये जीवंत बनाने का काम किया। बीजेपी नेता ने आगे कहा कांग्रेस अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने में पूरी तरह फेल हो चुकी है इसीलिये आज देश कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह समझ चुका है और कांग्रेस को पूरी तरह नकार चुका है।

सिक्योरिटी गार्ड की संदिग्ध मौत,पत्नी ने कंपनी के खिलाफ थाने में तहरीर दी

लखनऊ। राजधानी में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने सिक्योरिटी कंपनी पर अधिक कार्य लिए जाने के कारण मौत होने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को सरोजनी नगर थाने में तहरीर दी है। बंथरा के गढ़ी चुनौटी गांव निवासी महिला प्रतिभा सिंह के मुताबिक उनके पति धर्मेंद्र सिंह गोमती नगर के विभूति खंड स्थित व्हाइट विंग्स सिक्योरिटी गार्ड सर्विस में नियुक्त थे। वहीं नई पुलिस लाइन, कानपुर रोड में ड्यूटी करते थे। प्रतिभा का कहना है कि पति धर्मेंद्र बीती 11 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजे घर से ड्यूटी करने गए थे। कुछ देर बाद करीब सवा 1 बजे उपेंद्र नामक सुपरवाइजर ने फोन कर सूचना दी कि उसके पति की मौत हो गई है। प्रतिभा ने बताया कि मेरे पति की मौत अत्यधिक कार्य का दबाव पड़ने और कंपनी द्वारा अमानवीय तरीके से काम कराए जाने के कारण ड्यूटी स्थल पर ही हो गई थी।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़ लखनऊ से प्रकाशित

शनिवार, 28 दिसम्बर, 2024

ब्लाक कसमंडा की जगदीशपुर ग्राम पंचायत चढ़ी भृष्टाचार की भेंट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। उत्तर प्रदेश सरकार प्रभावी तरीके से भृष्टाचार मुक्त विकास योजनाएं प्रदेश में लागू करने का दम भर रही है तो वहीं प्रदेश सरकार की योजनाएं जिम्मेदारों के भृष्टाचार के आकंठ में डूबे होने के कारण जीरो टॉलरेंस नीति फुस्स हो गई है। भृष्टाचार करने वाले कैसे-कैसे टेंडर प्रक्रिया के तहत चहेती फार्मो के जरिए भृष्टाचार कर रहे हैं यह जन मानस में चर्चाओं का केन्द्र बिंदु बन गया क्या यही है सरकार की मंशा या फिर भृष्टाचारियों पर कार्यवाही जीरो टॉलरेंस के तहत कड़ी कार्यवाही ना होना सवाल बन चुका है। बताते चलें कि जिले के विकास खण्ड कसमंडा की ग्राम पंचायत जगदीशपुर में भारी पैमाने पर किए गए भृष्टाचार की बातें अब गलियों में शुरू हो गई हैं, आखिरकार इस पर जवाब कौन देगा यह भी बड़ा सवाल है।भ्रष्टाचार है तो इस पर जांच होनी चाहिए जो हकीकत से पर्दा उठाएगी। ग्राम पंचायत जगदीशपुर में मानकविहीन इंटरलॉकिंग,नाली निर्माण चकबंध का निर्माण कार्य कराया गया जो आज अपने आप की बर्बादी पर आंसू बहा रहा है और भ्रष्टाचार की कहानी बयां रहा है ऐसी बातें हो रही हैं तो वही सामुदायिक शौचालय भी अछूता नहीं है जिसकी चर्चा हो रही है कि कभी भी न तो यह खुलता है और न ही इसकी साफ सफाई देखने को मिलती है। जबकि सूत्रों की माने तो हर माह के अनुसार बजट भी सामुदायिक शौचालय का रखरखाव का आता है जिसके बजट में सचिव और प्रधान हेराफेरी कर धनराशि का बंदर बांट कर रहे हैं, शिलापट के नाम पर भी पैसा बटोरा गया।शिलापट दीवारों पर लिखा दिए गए जो देखे जा सकते हैं। धनराशि सचिव/प्रधान की मिली भगत से हजम कर ली गई।विकास योजनाएं जगदीशपुर पंचायत में महज कागजों तक ही सीमित कर रह गई है क्या? प्रधान,तकनीकी सहायक केके तिवारी,सचिव विवेक कुमार का अहम किरदार माना जा रहा है और इस भृष्टाचार में हिस्सेदार होने की बातें हो रही हैं जिन्होंने चकबंदी पटाई के दौरान भी जमकर पैसा बंदरबांट किया।धनराशि तो विकास योजनाओं में सरकार द्वारा खर्च किया जा रहा है जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है यह चर्चाएं हो रही है कि सरकारी धनराशि से पंचायत के जन प्रतिनिधि व सरकारी करिंदे झोली भरने का काम कर रहे हैं।कसमंडा की ग्राम पंचायत जगदीशपुर में हुए सभी विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। प्रकरण जन चर्चाओं में काफी तूल पकड़ता हुआ नज़र आ रहा है। सुनने में तो यह भी आ रहा है कि बड़े पैमाने पर योजनाओं को झोली भरो अभियान के रूप में क्रियान्वित किया गया है जिसकी टीम बनाकर जांच हो जाए तो विकास योजनाओं में होने वाले भृष्टाचार का अनुमान लगाया जा रहा है कि कमीशन के चलते सरकारी योजनाएं जगदीशपुर में फेल दिख रही हैं। आखिर सवाल उठता है कि जब इस तरीके से ग्राम पंचायत में धरातल पर परियोजनाओं को उतारा गया है जो भृष्टाचार की हकीकत से रूबरू करा रही है,जिलाधिकारी सीतापुर व मुख्य विकास अधिकारी को इस ओर ध्यान देकर जांच कराया जाना चाहिए। या प्रकरण सुर्खियों में ही बना रहेगा बड़ा सवाल है। सचिव विवेक बताएं विकास योजनाओं में भृष्टाचार,चुप्पी क्यों है बरकरार! ग्राम पंचायत जगदीशपुर में भृष्टाचार के प्रकरण दहाड़ते हुए दिख रहे हैं तो यहां पर तैनात सचिव विवेक कुमार बताए जाते हैं।सचिव विवेक की देख रेख में घोटाले की पटकथा रच दी गई और नल रिबोर, चक मार्ग , इंटरलॉकिंग, मरम्मत व रंग-रोगन जैसे महत्वपूर्ण कार्य विकास योजनाओं में अपना अहम किरदार निभाते हैं जिससे कि गांव का विकास होता है और जनमानस खुशहाल होता है लेकिन उन्हें विकास योजनाओं को भृष्टाचार का जरिया बना दिया गया इस पर सचिव विवेक बताएं की भ्रष्टाचार पर चुप्पी क्यों है बरकरार साहेब जनता पूछती है।विकास की हकीकत जो दिखाई पड़ रही है अगर जांच हो गई तो बड़ी कार्यवाही होने की चर्चाएं तेज है। मानवाधिकार सहायता संघ भृष्टाचार को लेकर पंचायत जगदीशपुर की करेगा शिकायत? समाचार पत्रों में निरंतर प्रकाशित जगदीशपुर ग्राम पंचायत में भृष्टाचार को लेकर खबर सामने आ रही है जिसमें पंचायत में चर्चा है कि मानवाधिकार सहायता संघ अन्तर्राष्ट्रीय ग्राम पंचायत जगदीशपुर के भृष्टाचार को लेकर शिकायत पत्र उच्च अधिकारियों को देगा,तो इसी पर मीडिया टीम से मुखातिब होते हुए जिला अध्यक्ष राजकुमार मिश्रा ने कहा जगदीशपुर पंचायत में भृष्टाचार का प्रकरण जानकारी में आया है विचार कर रहे हैं। शिकायती पत्र देंगे,कब देंगे इस पर बताया कि संगठन की इस सप्ताह होने वाली बैठक में चर्चा होगी इसके बाद पत्रकार बंधुओं को अवगत करा दिया जाएगा। संगठन ने शिकायती पत्र दिया,तो टीम गठित कर जांच होगी मानवाधिकार सहायता संघ द्वारा शिकायती पत्र की चर्चा तेज है अनुमान लगाया जा रहा है अगर प्रकरण में संगठन पदाधिकारी से चर्चा के बाद शिकायती पत्र दिया गया तो इस पर प्रकरण को गंभीरता से देखते हुए उच्च अधिकारियों द्वारा टीम गठित कर जांच कराई जा सकती है,जिससे कि कड़ी कार्यवाही होने की संभावनाएं प्रबल दिखाई दे रही है।मानवाधिकार सहायता संघ अन्तर्राष्ट्रीय के द्वारा ब्लाक सकरन की कई ग्राम पंचायतो की जांच कराई गई जिसमें सचिव सुभाष दीक्षित का निलंबन हाल ही में हुआ है। सूत्र बताते हैं सकरन ब्लॉक कार्यवाही को लेकर अभी मुकदमा भी भृष्टाचार के जिम्मेदारों पर दर्ज कराया जाएगा,हालांकि अभी भी कार्यवाही प्रचलित है।फिलहाल जगदीशपुर ग्राम पंचायत प्रकरण में संगठन का क्या रुख रहेगा यह तो आगे ही पता चलेगा।

पं अटल बिहारी वाजपेई एक युगदृष्टा थे- डा.राकेश सिंह

सगरा सुंदरपुर, प्रतापगढ़। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जन्म जयंती समारोह का आयोजन लक्ष्मणपुर भाजपा मंडल इकाई के गहिरी ग्राम सभा में संपन्न हुआ । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पधारे भाजपा नेता एवं ब्लाक प्रमुख डॉ राकेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के बताएं रास्ते पर भाजपा पार्टी विकास के नित नए आयाम अर्जित कर रही है । अटल जी का सपना था कि विकास योजनाए देश मे रहने अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे जिसे हमारी सरकार कर रही है। पंडित जी सादा जीवन उच्च विचार के पोषक थे तथा कार्यकर्ताओं को एक परिवार की तरह मानते थे । वह अच्छे कवि, दार्शनिक एवं उच्च विचारक थे ,उन्होने भाजपा पार्टी को ऊंचाईयो पर ले जाने का कार्य किया इसके पूर्व भाजपा के पदाधिकारियो और कार्यकर्ताओ ने अटल बिहारी बाजपेयी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय मिश्र, भाजपा लक्ष्मणपुर मंडल इकाई केजय भगवान पांडेय ,भाजपा मंडल जेठवारा के मंडल अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी अपने विचार रखें।

आर्मी अटैचमेंट कैंप का शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

मेरठ। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय मेरठ के अधीन मेरठ, मवाना, मुजफ्फरनगर व सहारनपुर में स्थित विभिन्न एनसीसी बटालियनो की चयनित 63 बालिका कैडेटों को मेरठ छावनी में आर्मी अटैचमेंट कैंप के अंतर्गत 12 दिवसीय विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का आरंभ कर्नल अश्वनी कुमार सिंह कमांडिंग ऑफिसर 75 वी मीडियम आर्टी रेजीमेंट के स्वागत संदेश से हुआ। इस प्रशिक्षण के दौरान इन बालिका कैडेटों को सैन्य जीवन व परिवेश से रूबरू कराया जाता है। जिससे उन्हें सैन्य जीवन का प्रारंभिक ज्ञान प्राप्त हो सके। और उनमें सेना में जाने की रुचि विकसित हो सके। बालिका कैडेटों को सेना की विभिन्न यूनिटों का भ्रमण करवाया गया, उनकी भूमिका व कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। सेना में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों, हथियारों और टैंकों का डेमोंसट्रेशन के साथ जानकारी दी गई। बालिका कैडेट हथियारों और टैंकों को देखकर रोमांच से भर गई। आर वी सी के भ्रमण के दौरान उन्हें सेना में प्रयुक्त होने वाले प्रशिक्षित घोड़ों के विषय में जानकारी दी गई। उन्होंने हॉर्स शो का आनंद लिया। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय मेरठ के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नवीन राठी ने शिविर का दौरा किया। और बालिका कैडेटों को अपने जीवन में लक्ष्य का चुनाव करने उसे प्राप्त करने की योजना बनाने एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु सतत प्रयास करने की प्रेरणा दी। 22 इन्फेंट्री ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर सुमित कोहली ने बालिका कैडेटों को संबोधित किया और उन्हें सेना में जाने हेतु प्रेरित किया। बालिका कैडेटों ने वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत करते हुए बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण से उन्हें सेना के विषय में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होती है। और अधिकांश बालिकाएं सेना में जानने की प्रेरणा प्राप्त करती है। धन्यवाद

ओएनजीसी सामुदायिक स्कूल का धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ वार्षिकोत्सव

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले में लहरपुर क्षेत्र के ओएनजीसी सामुदायिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विद्यालय के प्रबंधक आशीष सिंघानिया रहे तो विशिष्ट अतिथि के रूप में विधान परिषद सदस्य जासमीर अंसारी व पूर्व सांसद कैसर जहां मौजूद रहीं।कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखकर उपस्थित लोग भाव विभोर हो उठे। ओएनजीसी सामुदायिक स्कूल के वार्षिकोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूल के छात्र छात्राओं ने भव्य व मन मोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबन्धक आशीष सिंघानिया ने दीप प्रज्वलित कर किया उन्होंने अपने सम्बोधन में विद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति के लिये विधालय के प्रधानाचार्य दानिश खां के प्रयासों की सराहना की व उपस्थित अभिभावकों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।विद्यालय के प्रधानाचार्य दानिश खां ने आये हुए अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया और विद्यालय की उपलब्धियों व विभिन्न आयोजित पाठ्य सहगामी क्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में स्कूल के छोटे छोटे बच्चों की मोहक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर तेजल यादव द्वारा प्रस्तुत क्लासिकल डांस को देखकर उपस्थित लोग भाव विभोर हो गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश भक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों की भी खूब सराहना हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावको ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए शिक्षको के प्रयासों की खुले मन से प्रशंसा की। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग अभिभावक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जन स्वाभिमान सेवा समिति का कृष्णा पब्लिक विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। जन स्वाभिमान सेवा समिति उप्र. लखनऊ का वार्षिकोत्सव शुक्रवार को बिजनौर के औरंगाबाद स्थित कृष्णा पब्लिक विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया। कमेटी अध्यक्ष कुलदीप सिंह यादव के आवाहन पर आयोजित 10वें वार्षिकोत्सव में कार्यक्रम की शुरुआत कृष्ण भगवान की मूर्ति पर फूल माला अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने केक काटकर एक दूसरे को खिलाते हुए वार्षिकोत्सव की बधाई दी। इस दौरान कुलदीप सिंह यादव ने कमेटी के बारे में विस्तार से बताया। वहीं विद्यालय के प्रबंधक लालमणि यादव ने आए लोगों का स्वागत किया। कमेटी के महामंत्री हरिकेश यादव ने संस्था के विस्तारीकरण पर चर्चा करते हुए आगामी बैठक में कम से कम पांच सदस्यों को शामिल करने का संकल्प कराया। जितेंद्र कुमार गुड्डू ने पवित्र धार्मिक पुस्तक गीता के श्लोक सुनाकर लोगों से सच्चाई की राह पर चलने को कहा। एडवोकेट दीपक कुमार यादव ने कहा कि युवाओं को अधिवक्ता बनकर संवैधानिक न्याय प्रक्रिया पर जोर देना चाहिए। जिससे समाज के गरीब और मजलूमों की मदद हो सके। वहीं पत्रकार अर्जुन सिंह ने शिक्षा पर जोर दिया द्व कार्यक्रम के अंत में सभी ने तहरी भोज का आनंद लिया।

27 दिसंबर1975 खान दुर्घटना के 49 वर्षी पर चासनाला खान दुर्घटना के शहीद 375 खनिकों को नम आंखो से दी गई श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। चासनाला खान दुर्घटना के शहीद 375 खनिकों को नम आंखो से दी गई श्रद्धांजलि चासनाला। सेल चासनाला कोलियरी के डीप माइंस में 27 दिसंबर 1975 को जल समाधि लेने वाले 375 खनिकों को शुक्रवार को नम आखों से श्रद्धांजलि दी गई। चासनाला साउथ कॉलोनी शहीद स्मारक के शहीद बेदी पर शहीद श्रमिकों के परिजनों, सेल अधिकारी, यूनियन के नेता, राजनीतिक दल के नेता व गणमान्य लोगों ने पहुंच नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

दोपहर 1ः35 बजे आपातकालीन सायरन बजने के साथ दो मिनट का मौन रख मौजूद लोगों ने शहीदों के आत्मा की शांति की प्रार्थना की। सर्वप्रथम शहीदों के परिजनों ने नम आंखों से पूजा, अर्चना, दीप व मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी। जिसके बाद सेल चासनाला के कार्यपालक निदेशक एस के सिंह, झरिया विधायक रागिनी सिंह,सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो, भाजपा नेत्री तारा देवी, ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वहीं पूर्व विधायक झरिया पूर्णिमा नीरज सिंह चासनाला खान हादसा की बरसी पर शहीद स्मारक , चासनाला श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंची। विधायक पूर्णिमा सिंह के साथ सेल अधिकारी, यूनियन के नेताओं ने शहीदों को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस मौके पर सर्वधर्म सभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें चार समुदायों के धर्मगुरुओं ने शांति पाठ किया। वही इस अवसर पर विधायक पूर्णिमा सिंह ने कहा कि शहीदों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा और सभी शहीद मजदूरों और कर्मियों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हु। भावुक हो गए थे शहीद कोल कर्मियों के परिजन इस दौरान शहीद के परिजनों ने खिचड़ी भोग का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। उक्त घटना को लेकर चित्रकला प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसे देख शाहिद के परिजन काफी भावुक हुए।

यादें शेष- सादगी और ईमानदारी की मिसाल थे स्वर्गीय मनमोहन सिंह जी

यूनियनिस्ट दिनेश सिंह

सारे दूतावासों प्रधानमंत्री दूसरे मंत्रियों के घरों का सामान ज्यादातर खान मार्केट से ही जाता है। तो वाजपेयी के हटने और मनमोहन सिंह के बनने के कुछ दिनों बाद की बात है मार्केट का प्रसिद्ध मटन वाला बोला हम तो बर्बाद हो गए। क्या हुआ? पूछा तो बोला वाजपेयी साहब के यहां इतना बड़ा बड़ा ऑर्डर जाता था। मगर यह नए पीएम न खाते हैं न खिलाते हैं। कुछ जाता ही नहीं है। सीपीडब्लूडी के अफसर भी परेशान थे। ?प्रधानमंत्री निवास के सामान में कुछ खराबी हो जाती थी तो वह बदलने की बात करते थे मगर मनमोहन सिंह कहते थे की क्या यह ठीक नहीं हो सकता? सरकारी विभागों को नया सामान खरीदने में ज्यादा दिलचस्पी होती है ना की मरम्मत में। मगर मनमोहन सिंह उसी को ठीक करा कर काम चलाने की बात करते थे। और उनकी पत्नी उनसे भी आगे थीं वे रिपेयर का पैसा एडवांस देने लगती थी। अफसरों को लेना पड़ता था मना करना बहुत मुश्किल होता था। बहुत उसूलों वाले प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी थीं। सादगी शराफत सरकारी तामझाम के प्रति अरुचि। मनमोहन सिंह वास्तविक विद्वान। दिखावट का कोई मतलब ही नहीं।

महामंडलेश्वर स्वामी महेशानंद गिरी के कुंभ प्रयास जाते समय सीतापुर में हुआ भव्य स्वागत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। महाकुम्भ पर्व का धार्मिक से भी कही अधिक संस्कृतिक और अध्यात्मिक महत्व है करोड़ों लोगों की आस्थाओं का ये पवित्र संगम हमारी सनातन परम्पराओं का साक्षी है। उक्त उदगार श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी महेशानंद गिरी महाराज अखिल भारतीय सनातन परिषद अन्तर्राष्ट्रीय प्रवक्ता पंचायती अखाडा निरंजनी ने अपने देहरादून आश्रम से कुम्भ प्रवास के लिए जाते समय सीतापुर में बूढ़े बाबा आश्रम डेंगरा के प्रमुख आराध्य शुक्ल के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए विचार व्यक्त किए। संत शिरोमणि ने कहा कि इस बार का कुम्भ अन्य अवसरों की अपेक्षा कहीं अधिक ऐतिहासिक और दिव्य होने जा रहा है,ये हमारी संस्कृति का ऐसा अनूठा पर्व है जिसकी कोई दूसरी मिशाल अखिल विश्व मे नही मिलती, जहां बिना किसी आमंत्रण के करोड़ो लोग सिर्फ आस्था के नाम पर एकत्र होते हैं,उन्होंने कुम्भ प्रवास के दौरान अपने पंडाल में आयोजित हो रहे विशाल यज्ञ के बारे मे विस्तार से जानकारी देते हुए इसके महत्व से परिचित कराया। इससे पूर्व महामंडलेश्वर के शहर आगमन पर शहर के प्रतिष्ठित व्यवसाई ललित श्रीवास्तव चंचल,मां ललिता देवी मंदिर नैमिष धाम के प्रधान पुजारी लाल बिहारी शास्त्री,डेंगरा आश्रम के प्रबंधक डॉ यथार्थ शुक्ल शिक्षक आकाश मिश्र सामाजिक कार्यकर्ता संजय कुमार मिश्र,अर्पित तिवारी दिलीप सैनी और शिक्षक नेता मनीष रस्तोगी द्वारा परम्परागत ढंग से जोरदार स्वागत किया गया। बूढ़े बाबा आश्रम डेंगरा के प्रबंधक डॉ यथार्थ शुक्ल ने बताया कि पूज्य श्री द्वारा कुम्भ क्षेत्र में आयोजित हवन कार्यक्रम मे नैमिष क्षेत्र के संत समाज का एक बड़ा दल प्रतिभाग करेगा,साथ ही स्प्रेड हैपिनेस क्लब द्वारा मेला क्षेत्र मे अनवरत सेवा और स्वास्थ्य शिविर का भी संचालन किया जायेगा।

प्रतिबंधित पेड़ों पर चला लकडकट्टों का आरा मुख्य मंत्री पोर्टल पर हुई शिकायत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। लहरपुर तहसील क्षेत्र के सुल्तानपुर हरि प्रसाद के मजरा बसैय्हा में वन विभाग व लेखपाल की मिली भगत के चलते प्रतिबंधित पेड़ों पर आरा चल गया जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर हुई है। गौरतलब हो कि कोतवाली क्षेत्र की ग्राम सभा बसहिया निवासी अवधेश सिंह ने आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत कर आरोप लगाया है कि ग्रामसभा में ग्राम समाज की जमीन मठ बगिया पर विभिन्न प्रजाति के शीशम,जामुन,नीम व चिलवर के हरे भरे पेड लगे थे जिसे लेखपाल की मिली भगत से गांव के ही तीन लोगों के द्वारा चोरी छुपे काटकर बेच लिया गया है। शिकायतकर्ता अवधेश ने उचित एवं कानूनी कार्यवाही कर ग्राम समाज की जमीन मठबगिया,मेला मैदान को कब्जा मुक्त करवाए जाने की मांग की है। घटना के सम्बन्ध क्षेत्रीय लेखपाल मानवेंद्र ने बताया कि,गाटा संख्या 672/ 0.397 राजस्व अभिलेखों में खलिहान के नाम दर्ज है जिस पर लगे सोलह पेड़ों को बीती रात गांव के ही तीन लोगों ने ग्राम लच्छन नगर के ठेकेदार के द्वारा कटवा कर बेच लिया है,जिसकी रिपोर्ट कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

अटल के पदचिन्हों पर चलकर लोग संवारे अपना जीवन : प्रेमलता सिंह

कम्बल पाकर गरीबों एवं असहायों के खिले चेहरे

प्रतापगढ़। भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर पूरे भगवानदास, पूरे केशवराय प्रतापगढ़ शिव फाउंडेशन के तहत विशाल कंबल वितरण का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य ने उनके अद्वितीय व्यक्तित्व और कृतित्व को नमन करते हुए कहा कि अटल जी ने अपने शासनकाल में सुशासन की नींव को मजबूती दी। अटल जी की पंक्तियां आदमी को चाहिए कि वह जूझे, परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े..., एक पांव धरती पर रखकर ही वामन भगवान ने आकाश-पाताल को जीता था, धरती ही धारण करती है, कोई उस पर भार न बने, मिथ्या-अभिमान से न तने... यह पंक्तियां हमें प्रेरणा प्रदान करती हैं। विशिष्ट अतिथि नव निर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता सिंह ने अटल जी के पद चिन्हों पर समाज को चलने की बात कहीं साथ ही उनके द्वारा दिखाए गए रास्तों पर चलकर इंसान अपना जीवन खुशहाल एवं समाज में अपना मान सम्मान बेहतर बना सकता है। वही नेक कार्य कर रही शिव फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं को पुण्य कार्य करने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि समाजसेवा तो तमाम लोग कर रहे है पर शिव फाउंडेशन की तरह धरातल पर कार्य करने वाली संस्था विरले ही देखने को मिलती है। जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अटल जी की पावन स्मृतियां हम सभी के मानस पर सदैव जीवंत रहेंगी। अटल जी ने भावी भारत के विकास व विकसित भारत के निर्माण के लिए जो नींव श्रद्धेय अटल जी ने रखी थी, पीएम मोदी के नेतृत्व में उस पर नए भारत का निर्माण हो रहा है। यह 2047 में विकसित भारत के रूप में 140 करोड़ की आकांक्षाओं की पूर्ति का भारत बनेगा। आयोजक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि शिव फाउंडेशन की मंशा हर गरीबों की सहायता एवं उनकी मदद करना है इस को जमीन स्तर पर साकार करने के लिए हम सब प्रयासरत है और आगे भी सतत बने रहेंगे। कार्यक्रम के संयोजक नगर पालिका के सभासद एवं नंदलाल सोलंकी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक विजय बहादुर सिंह सोलंकी ने कहा कि अटल जी के बताए हुए रस्ते पर चलते हुए शिव फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को गरीबों एवं असहायों तक पहुंचना हमारा परम धर्म है इसके लिए मै हर पल प्रयासरत रहूंगा। वही व्यवस्थापक सुनील कुमार सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों एवं गरीब, असहाय लोगों का आभार ज्ञापित किया। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी वाजपेई का जन्म दिवस पूरे भगवान दास में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता सिंह के पुत्र विशाल विक्रम सिंह, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, बीएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर राकेश सिंह, कार्यक्रम के संयोजक सभासद विजय बहादुर सिंह सोलंकी, भोला सिंह सोलंकी, धीरेंद्र सिंह, सुनील सिंह, सुमित सिंह, भूपेन्द्र सिंह, राहुल भट्ट, राजू भट्ट, आलोक सिंह राठौर रविंद्र सिंह, गौतम सिंह, राम नवल सिंह, सचिदानंद विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे। संचालन प्रवीण सिन एवं अंश सोमवंशी ने किया।

मनोज पाण्डेय चैक पर स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग

सीतापुर। अमर शहीद कैप्टन मनोज पाण्डेय सेवा संस्थान द्वारा मनोज पाण्डेय चैक पर लाइट लगवाने के लिए नगर विकास मंत्री राकेश राठौर गुरु को प्रार्थना पत्र सौपा। प्रार्थना पत्र के माध्यम से आकाश मिश्रा ने बताया कि चैक के पास रात के समय अंधेरा होता है लोगो के अवागमन के साथ साथ दिल्ली, गोला व नैमिष की तरफ से आने वाले वाहनों से स्तम्भ छतिग्रस्त हो सकते है, इसके साथ चैराहा पर कई सारी दुकाने है पाण्डेय चैक पर गोला व नैमिष की तरफ जाने वाले बस रूकती है यात्री चैराहे पर प्रतिक्षा करते है अंधेरा होने के कारण चोरी चकारी की घटना हो सकती है, इसलिए स्तम्भ के निकट लाइट की व्यवस्था अनिवार्य है। इस दौरान अंजनी मिश्रा, प्रणवेश पाण्डेय, संजय शुक्ला, अमर शुक्ला आदि रहे।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के जन्म दिवस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

➲ विकास भवन के प्रेरणा सभागार में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सुलतानपुर। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के अवसर पर सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत विकास भवन के प्रेरणा सभागार में जनपद स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा, डीएम कृतिका ज्योत्सना, सीडीओ अंकुर कौशिक, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली चोपड़ा,डीआईओएस रवि शंकर, एडीएम एफआर एस सुधाकरण सहित अनेकों अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

वर्ष 2003 में बनी रोड दोबारा मरम्मत न होने के कारण जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंची

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर ।एक तरफ सरकार गड्ढा मुक्त सड़क परियोजना लागू करने की घोषणा कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ जनपद मुख्यालय के एक मोहल्ले के वाशिंदे ऊबड़-खाबड़ गड्ढा युक्त सड़क पर निकलने को मजबूर हैं। बताने के अनुसार नगर पालिका परिषद के वार्ड प्रेम नगर के मोहल्ला ब्रह्मपुरी में एक सड़क सीतापुर मधवा पुर मार्ग से निकलकर वीरू मिश्रा के मकान तक जाती है जिसकी लंबाई लगभग आठ सौ मीटर है और यह रोड वर्ष 2003 में तत्कालीन सांसद राजेश वर्मा की निधि से बनवाई गई थी परन्तु दोबारा डामर और गिट्टी न पड़ने के कारण आज इस रोड पर से निकलना मुश्किल हो रहा है मोहल्लेवासी इस रोड के किनारे नीचे मिट्टी वाली रोड से अपने-अपने वाहन लेकर के निकलते हैं। इस रोड के सम्बन्ध में आजाद अधिकार सेना के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्र द्वारा क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु को ज्ञापन देकर एवं मुख्य मंत्री पोर्टल पर भी तीन बार मांग किए जाने के बावजूद भी रोड़ पर मरम्मत का कार्य नहीं हो सका है जबकि नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी द्वारा अपने निरीक्षण आख्या रिपोर्ट में इस रोड़ को मरम्मत होने योग्य दर्शाया गया है तथा बजट आते ही कार्य प्रारम्भ कराया जाएगा उक्त पत्र मुख्य मंत्री पोर्टल लिखा गया है।परन्तु आज वह पत्र मात्र कोरा कागज ही साबित हुआ।वहीं नगर पालिका क्षेत्र में अन्य रोड़े बनवायीं जा रही हैं। इस मोहल्ले में तीनों इंजनों की सरकारों के नब्बे प्रतिशत मतदाता निवासी हैं।

शादी कर चुकी हैं तापसी पन्नू

ब्वॉयफ्रेंड मैथियस बो संग कोर्ट मैरिज को लेकर किए शॉकिंग खुलासे

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड व बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियस बो के साथ शादी के बंधन में बंध चुकी है। हाल ही में उन्होंने अपनी शादी की डेट रिवील की है। तापसी ने बताया है कि उन्होंने मैथियस बो से इस साल नहीं बल्कि 2023 में शादी कर ली है। उन्होंने दिसंबर में कोर्ट मैरिज की थी। ऐसी खबरें है कि अभिनेत्री इस साल की शुरुआत में राजस्थान के उदयपुर में प्राइवेट शादी कर सकती है। क्या तापसी 2023 में शादी करेंगी? तापसी ने कहा, ॳलोग मेरी शादी से अनजान थे क्योंकि हमने औपचारिक घोषणा नहीं की थी। वास्तव में, हमने पिछले साल दिसंबर में शादी की थी। हमारी शादी की सालगिरह जल्द ही आ रही है। हमने बस तब कागजात पर हस्ताक्षर किए थे। अगर मैंने आज इसका जिक्र नहीं किया होता, तो कोई नहीं जान पाता।ॳ अभिनेत्री ने यह भी कहा, ॳहम अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी के बीच एक स्पष्ट अंतर बनाए रखना चाहते थे। मैंने देखा है कि पेशेवर जिंदगी में निजी जिंदगी का अत्यधिक प्रदर्शन दोनों क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। किसी के करियर की सफलता और असफलता अक्सर निजी जिंदगी में भी दिखाई देती है, जिससे अनावश्यक तनाव पैदा होता है। मैंने हमेशा दोनों के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया है।ॳतापसी ने 23 मार्च को पारंपरिक समारोह में मैथियस के साथ शादी की। शादी में उनके करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल हुए। अनुराग कश्यप, कनिका ढिल्लों और पावेल गुलाटी उन मशहूर हस्तियों में शामिल थे जो उनके खास दिन का हिस्सा बने। तापसी ने मैथियस को करीब एक दशक तक डेट किया। वह अक्सर इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते के बारे में बात करती रही हैं। जनवरी 2023 में, तापसी ने अपनी ड्रीम वेडिंग के बारे में बताते हुए कहा था, ॳएक दिन की शादी, जिसमें शानदार

न्यूड और दूसरे हल्के रंग हों। यह बेसिक और ड्रामा-फ्री होनी चाहिए क्योंकि मेरी प्रोफेशनल लाइफमें काफी ड्रामा है। मैं नहीं चाहती कि यह मेरी पर्सनल लाइफमें आए। मैं अपनी शादी में देर रात तक कोई रस्म नहीं चाहती हैं।ॳ गौरतलब है कि तापसी को आखिरी बार फिल्म 'खेल-खेल में' में देखा गया था, जो मुदस्सर अजीज द्वारा लिखित और निर्देशित एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, फरदीन खान, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल भी हैं। तापसी पन्नू के अपनी शादी को लेकर हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। दरअसल इस साल की शुरुआत में तापसी अपनी शादी की खबरों को लेकर खूब छाई। उन्होंने एक निजी समारोह में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मैथियास बो से शादी की। मगर इसे लेकर हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि उनकी शादी इस साल नहीं, बल्कि पहले ही हो गई थी। पिछले साल ही रचा ली शादीतापसी पन्नू की शादी की खबरें इस साल मार्च में खूब छाईं। मगर हाल ही में एक मीडिया बातचीत में तापसी ने खुलासा किया कि उनकी शादी इस साल मार्च में नहीं, बल्कि बीते साल यानी 2023 में दिसंबर में ही हो गई थी। तापसी पन्नू का कहना है कि उन्होंने पिछले साल दिसंबर में ही अपने बॉयफ्रेंड से शादी कर ली और वे दोनों जल्द ही अपनी शादी की सालगिरह मनाने वाले हैं। निजी जिंदगी पर चर्चा नहीं पसंद तापसी ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में उन्होंने पेपर साइन कर आधिकारिक तौर पर शादी की, फिर इस साल मार्च में उन्होंने रीति-रिवाज से शादी की। तापसी पन्नू ने आगे कहा कि लोग उनकी शादी से पूरी तरह अनजान थे। अगर वे खुद नहीं बतातीं तो इस सीक्रेट को भी कोई नहीं जान पाता। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें निजी जिंदगी को प्राइवेट रखना पसंद है। बोलीं- शादी पर बात करना जरूरी नहीं लगातापसी पन्नू ने कहा, श्मैं निजी और प्रोफेशनल लाइफके बीच एक लकीर खींचकर रखती हूं। मैंने कभी कुछ नहीं छिपाया। मैं मैथियास को 2013 से जानती हूं। मैंने अपनी फिल्मों पर बात की, उनका एलान किया। मुझे अपनी शादी और अपने पति को लेकर एलान करने की जरूरत महसूस नहीं हुईश। तापसी और पूर्व ओलंपिक मेडलिस्ट मैथियास बो की शादी में करीबी और परिवार वाले ही शामिल हुए थे।

करीना कपूर के साथ शाहिद कपूर की तस्वीर वायरल

मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में एनुअल डे का आयोजन हुआ, जिसमें फिल्मी सितारे अपने बच्चों को सपोर्ट करने पहुंचे। इस दौरान एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई है, जिसमें करीना कपूर के पीछे शाहिद कपूर बैठे नजर आ रहे हैं। फैंस को यह देखकर एक बार फिर फिल्म श्जब वी मेटश् के गीत और आदित्य की याद आ गई। दरअसल, इस इवेंट में करीना कपूर अपने बेटों तैमूर और जेह को चीयर करने पहुंची थीं, जबकि उनके पीछे बैठे शाहिद कपूर अपनी बेटी मीशा को सपोर्ट करने पहुंचे थे। वहीं, वायरल हुई इस तस्वीर में फैंस बढ़-चढ़कर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह तस्वीर बहुत अच्छी है- बेबो और शाहिद एक ही फ्रेम में!' दूसरे ने लिखा, 'गीत और आदित्य अपने बच्चों को देख रहे हैं, अपने-अपने पार्टनर्स के साथ।', तीसरे यूजर ने लिखा, 'शाहिद का चेहरा सब कुछ कह रहा है।' बता दें, करीना कपूर ने इंडस्ट्री में 2000 में कदम रखा था। शाहिद ने 2003 में डेब्यू किया था। दोनों ने पहली बार फिल्म शिफदाश् (2004) में साथ काम किया था। शिफदाश् के सेट पर ही दोनों की पहली मुलाकात हुई थी। ये वो वक्त था जब करीना की गिनती सफल एक्ट्रेसेस में होने लगी थी और शाहिद ने इंडस्ट्री में अपना करियर शुरू ही किया था। इसके बाद फिर दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे थे। लेकिन साल 2007 में फिल्म श्जब वी मेटश् की रिलीज आते-आते वे एक-दूसरे से अलग हो गए थे। करीना कपूर और सैफअली खान की शादी 16 अक्टूबर, 2012 को हुई थी। जबकि शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की शादी 7 जुलाई, 2015 को पंजाबी रीति-रिवाज के साथ हुई थी।

'मैं हमेशा झिझकता रहा हूं'

एक्टर मनोज बाजपेयी ने 1994 में आई फिल्म श्बैंडिट क्वीनश् से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. एक्टर को इंडस्ट्री में 30 साल हो गए हैं. हाल ही में उनकी फिल्म शिडस्पैचश् ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है जिसे लेकर वे चर्चा में बने हुए हैं. इस फिल्म में एक्टर ने कुछ इंटीमेट सीन्स दिए हैं जो सुर्खियों में है. इस बीच मनोज ने बताया कि वे इस तरह के सीन्स करने में झिझकते रहे हैं. मनोज बाजपेयी ने कहा- श्ये वो जगह है जहां कनु बहल (निर्देशक) की स्पेशैलिटी काम आती है. ये सब वर्कशॉप से शुरू होता है, एक इंसान होने के नाते, मुझे हमेशा पीछे रखा गया है. एक गांव का लड़का होने के नाते, मैं हमेशा झिझकता रहा हूं. चाहे मैं कितने भी सालों के एक्सपीरियंस या वर्कशॉप से गुजरा हो, ये झिझक मेरे अंदर का एक हिस्सा है जिसे मैं आसानी से त्याग सकता था.श्इंटीमेट सीन्स करने में क्यों झिझकते हैं मनोज बाजपेयी? मनोज बाजपेयी ने अपनी झिझक की वजह बताई. उन्होंने कहा- श्मैं बचपन से ही शर्मीले स्वभाव का हूं. तो वे मुझमें है और इसे बाहर निकालना बहुत मुश्किल है क्योंकि ये मेरी पर्सनैलिटी का सबसे अच्छा हिस्सा है. लोगों की उतनी चिंता नहीं होती है मुझे. मुझमें जो रिजर्व, शर्मीला और प्राइवेट गुण है, मेरा व्यवहार ही मुझे रोक रहा है. मुझे उससे उबरना था और अपने एक्टर को सामने लाना था और वर्कशॉप को उन सभी दिनों की वजह से, और फिर कनु बेल्ह का बेदाग निर्देशन और मेरे सभी को-एक्टर्स का अपार सपोर्ट, मैं सचमुच इसे ऊपर खींच सकता था.श् श्पूरे करियर में मैं कभी इतना अनकंफर्टेबल नहीं हुआश् शिडस्पैचश् एक्टर ने आगे कहा- श्मैं जिस जगह से आया हूं, मैं इसके साथ स्ट्रगल कर रहा हूं, और मैं इसके बारे में बहुत खुला हूं. मैं जो हूं उससे इसे पूरी तरह से हटा नहीं सकता. शिडस्पैचश् में इंटीमेट सीन्स को लेकर बात करते हुए मनोज ने मनी कंट्रोल से कहा- ये कनु बहल थे. अपने पूरे करियर में मैं कभी इतना अनकंफर्टेबल नहीं हुआ. वो मुझे समझाने की कोशिश कर रहे थे. वो दरवाजे के पीछे रिश्ते, रिश्ते की गहराई और रिश्ते के डार्क पहलू का पता लगाना चाहते थे.श् डायरेक्टर के कहने पर सीन के लिए माने मनोज मनोज बाजपेयी ने कहा- श्ये सिर्फ इंटीमेट सीन नहीं हैंय फीलिंग्स का खूब लेना-देना हो रहा है, और यहीं आपको पता चलता है कि वे इस रिश्ते में क्या कर रहे हैं. इसलिए उन्होंने मुझे मना लिया और उसके बाद मुझे सच में खुद को उन सभी चीजों के साथ कंफर्टेबल बनाना पड़ा.

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया का दोहरा चरित्र

कोहली को जोकर कहा, अपने खिलाड़ियों की बदतमीजी पर साधी चुप्पी

मेलबर्न। सिर्फऑस्ट्रेलियाई मीडिया ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेड पंडितों ने भी कोहली पर ही निशाना साधा था। कोंस्टास वाले मामले के बाद ऑस्ट्रेलिया का इस तरह कोहली को निशाने पर लेना इस बात को बताता है कि वे कोहली से कितना डरे हुए हैं। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर जाए और वहां ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कोई विवाद खड़ा न करे, ऐसा हो ही नहीं सकता। इस प्रथा को जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने दुनिया के सबसे चहेते और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली पर निशाना साधा है। गुरुवार को मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान विराट का ऑस्ट्रेलिया के नए ओपनर सैम कोंस्टास से गहमागहमी हुई थी। हालांकि, कोंस्टास ने इस मामले को इतना तूल नहीं दिया, जितने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने इसे तूल दिया। उन्होंने कोहली के लिए क्लोन यानी जोकर जैसे शब्द का इस्तेमाल किया है। इससे ऑस्ट्रेलियाई मीडिया का दोहरा चरित्र सामने आया है, क्योंकि उनके खिलाड़ियों द्वारा की गई बदतमीजी पर उन्होंने हमेशा चुप्पी साधी और कभी अपने खिलाड़ियों के खिलाफकुछ नहीं छापा। ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेड पंडितों ने भी कोहली पर निशाना साधा ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेड पंडितों ने भी कोहली पर ही निशाना साधा था। कोंस्टास वाले मामले के बाद रिकी पोंटिंग ने इसमें कोहली

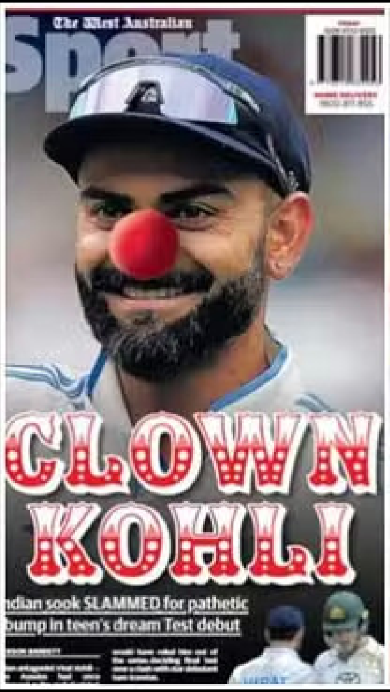

की गलती बताई थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व महान क्रिकेटर कैरी ओ कीफतक ने विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा, श्कोहली ने अपना पूरा करियर सिर्फअहंकार के बलबूते बनाया है। अब उन्होंने देखा कि एक डेब्यू कर रहा खिलाड़ी भी उनकी ही तरह बर्ताव कर रहा है तो उन्हं अच्छा नहीं लगा। मुझे लगता है कि वह मुश्किल में हैं।श् क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने भी कोहली को गलत बताया था। उन्होंने कहा, श्यह देखकर बहुत अच्छा नहीं लग रहा था, मेरा मतलब है कि आप जानते हैं कि क्रिकेट के मैदान पर शारीरिक टकराव पूरी तरह से वर्जित है, इसलिए यह बहुत अच्छा नहीं था। मुझे लगता है कि विराट ने आरोप स्वीकार करके स्पष्ट रूप से जिम्मेदारी ली है।श् सिर्फ हॉकले नहीं, पोंटिंग, स्टीव वॉ जैसे दिग्गजों ने भी आईसीसी की आलोचना की थी। कोंस्टास वाले मामले में कोहली पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगा था और उन्हें एक डिमेरिट अंक दिया गया था। कोंस्टास वाले मामले के बाद ऑस्ट्रेलिया का इस तरह कोहली को निशाने पर लेना इस बात को बताता है कि वे कोहली से कितना डरे हुए हैं। इसकी शुरुआत तब ही हो गई थी जब भारतीय टीम ब्रिस्बेन से मेलबर्न पहुंची थी। मेलबर्न एयरपोर्ट पर ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार से जरा सी बातचीत को ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने तूल दिया था और कोहली की ही गलती बताई थी। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने कोहली के लिए लिखीं आपत्तिजनक बातें ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट पंडित समाप्त नहीं हुए थे कि ऑस्ट्रेलियाई मीडिया शुरू हो गई। वेस्ट ऑस्ट्रेलियन अखबार ने विराट के लिए श्क्लोनश् (जोकर) शब्द का इस्तेमाल किया। श्द डेली टेलीग्राफ्श, श्कोड स्पोर्ट्सश् के लिए आर्टिकल लिखने वाले ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने हेराल्ड सन के लिए अपने कॉलम में विराट कोहली पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा- क्रिकेट विराट कोहली की हरकतों के साथ खड़े रहने में विफल है। उन्होंने लिखा कि जो अपराध कोहली ने किया, उसके हिसाब से उन्हें मिली सजा बेहद कम है।श् वहीं, एक और ऑस्ट्रेलियाई अखबार ने कोहली के मुंह में पेसिफायर ठूस दिया है। इस आर्टिकल की हेडिंग शिकंग कॉनश् है। किंग शब्द का इस्तेमाल कोहली के लिए होता है, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने बदतमीजी करते हुए किंग के साथ कोंस्टास के नाम का शॉर्ट फॉर्म रखा है। ऑस्ट्रेलिया के सेन क्रिकेट ने लिखा कि आईसीसी को अपना काम करना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि एमसीजी टेस्ट ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर विराट का आखिरी टेस्ट हो। यह कोहली- कोंस्टास वाली घटना के कुछ घंटों बाद प्रकाशित किया गया था। उन्होंने लिखा, श्अगर आईसीसी अपना काम करती है, तो बॉक्सिंग डे ऑस्ट्रेलियाई धरती पर विराट कोहली का आखिरी टेस्ट होना चाहिए।श् हालांकि, जुर्माने के एलान के बाद सेन क्रिकेट ने एक और आर्टिकल पब्लिश किया। इसमें लिखा था, श्आईसीसी और विश्व क्रिकेट के लिए शर्मनाक फैसला। क्या विराट कोहली को विशेष उपचार दिया गया था?श् सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने लिखा, श्सैंडपेपर-गेट स्कैंडल ने ने विराट कोहली को निलंबन से बचायाश। इस आर्टिकल में इस बात पर जोर दिया गया है कि इस स्कैंडल के बाद आईसीसी द्वारा किए गए बदलाव ने विराट को निलंबन से बचाया है।

अफरीदी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफटेस्ट से बाहर रखने का पीसीबी से अनुरोध किया

तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने कार्यभार प्रबंधन के लिये टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट मैचों के लिये उनके नाम पर विचार नहीं करने का अनुरोध किया है। अफरीदी फरवरी मार्च में होने वाली आईसीसी चौम्पियंस ट्रॉफी के लिये पूरी तरह फिट होना चाहते हैं।

कराची । पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने कार्यभार प्रबंधन के लिये टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट मैचों के लिये उनके नाम पर विचार नहीं करने का अनुरोध किया है। अफरीदी फरवरी मार्च में होने वाली आईसीसी चौम्पियंस ट्रॉफी के लिये पूरी तरह फिट होना चाहते हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट के लिये शाहीन के बिना पाकिस्तानी टीम का ऐलान होने पर सीनियर चयनकर्ता आकिब जावेद ने कहा कि चौम्पियंस ट्रॉफी के लिये उन्हें तरोताजा रखने की कवायद में कार्यभार प्रबंधन किया जा रहा है। सूत्र ने कहा ,'' असलियत यह है कि शाहीन ने खुद अनुरोध किया था कि चौम्पियंस ट्रॉफी तक टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर रखा जाये।'' उन्होंने कहा कि शाहीन ने टीम प्रबंधन और बोर्ड को बताया कि उन्हें बांग्लादेश प्रीमियर लीग की एक टीम से पेशकश भी मिली है और उन्होंने आश्वस्त किया है कि वह 30 दिसंबर से सात फरवरी तक होने वाली टी20 लीग के दौरान कार्यभार प्रबंधन कर लेंगे।

रोहित शर्मा का खराब फॉर्म जारी, कमिंस ने टेस्ट में सातवीं बार और इस सीरीज में तीसरी बार आउट किया

मेलबर्न। इस दौरे पर रोहित ने कमिंस का तीन पारियों में सामना किया है और सिर्फसात रन बना पाए हैं। कमिंस ने इस दौरान उन्हें तीन बार आउट किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में जारी चौथे टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा तीन रन बनाकर आउट हुए। भारत की पहली पारी के दूसरे ओवर में पैट कमिंस की गेंद पर खराब शॉट खेलकर हिटमैन आउट हुए। पिछले दो टेस्ट में रोहित छठे नंबर पर बललेबाजी के लिए उतरे थे। हालांकि, इस मैच के लिए टीम मैनेजमेंट ने रणनीति बदली और शुभमन दिल को ड्रॉप कर रोहित को ओपनिंग भेजा गया। केएल राहुल, जो पिछले दो मैचों में ओपनिंग कर रहे थे, उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा गया। हालांकि, दोनों ही फेल रहे। रोहित तीन रन और राहुल 24 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को कमिंस ने पवेलियन भेजा। कमिंस के खिलाफ रोहित का रिकॉर्ड काफी खराब रहा है और इस सीरीज में कमिंस ने हिटमैन को खूब परेशान किया। कमिंस का रोहित के पास कोई जवाब नही इस दौरे पर रोहित ने कमिंस का तीन पारियों में सामना किया है और सिर्फसात रन बना पाए हैं। कमिंस ने इस दौरान उन्हें तीन बार आउट किया है। रोहित का कमिंस के खिलाफऔसत 2.3 का रहा है। वहीं, कमिंस के खिलाफ रोहित के ओवरऑल टेस्ट रिकॉर्ड की बात करें तो कमिंस के खिलाफरोहित ने कुल 13 पारियां खेली हैं। इस दौरान 199 गेंदों का सामना किया है और 127 रन बनाए हैं। कमिंस ने सात बार रोहित को आउट भी किया है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के खिलाफ भारतीय कप्तान का औसत 18.14 का रहा है। पिछली 14 पारियों में एक अर्धशतक इतना ही नहीं, कप्तान का कप्तान को आउट करने के मामले में भी कमिंस शीर्ष पर आ गए हैं। कंगारू कप्तान ने भारतीय कप्तान को टेस्ट में पांचवीं बार आउट किया। इस मामले में उन्होंने शीर्ष पर रिची बेनॉड और इमरान खान की बराबरी की। बेनॉड ने टेड डेक्सटर को पांच बार और इमरान ने सुनील गावस्कर को पांच बार आउट किया था। रोहित पिछली 14 टेस्ट पारियों में 11.07 की औसत से सिर्फ155 रन बना सके हैं। इसमें सिर्फएक अर्धशतक शामिल है। इस दौरान रोहित की पारियां- 6, 5, 23, 8, 2, 52, 0, 8, 18, 11, 3, 6, 10 और 3 (इस मैच में) रन की रही हैं। ठळज् 2024 में रोहित का औसत लियोन से खराब बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में कम से कम चार पारियों में बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों में रोहित का औसत सबसे खराब है। उनका औसत नाथन लियोन और मोहम्मद सिराज से भी खराब रहा है। रोहित ने इस सीरीज में छह पारियों में 5.50 की औसत से 51 रन बनाए हैं। लियोन और सिराज का औसत 6.00 का रहा है। वहीं, बुमराह ने 10 की औसत से रन बनाए हैं। रोहित ने इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफतीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भी कुछ खास नहीं किया था। वह छह पारियों में सिर्फ93 रन बना पाए थे। रोहित की कप्तानी भी पिछली दो सीरीज से सवालों के घेरे में है।

भारत जीत का दावेदार, उसने आस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम की कमजोरी का फायदा उठाया है: रवि शास्त्री

रवि शास्त्री ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में भारत को जीत का दावेदार बताते हुए कहा कि उसने अभी तक ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष क्रम की कमजोरी का पूरा फायदा उठाया है। शास्त्री ने इसके साथ ही कहा कि तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने अकेले दम पर भारत को इस मुकाम पर पहुंचाया।

मेलबर्न । पूर्व कोच रवि शास्त्री ने गुरुवार से यहां शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में भारत को जीत का दावेदार बताते हुए कहा कि उसने अभी तक ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष क्रम की कमजोरी का पूरा फायदा उठाया है। शास्त्री ने इसके साथ ही कहा कि तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने अकेले दम पर भारत को इस मुकाम पर पहुंचाया जहां बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैच की श्रृंखला 1दृ1 से बराबरी पर है। शास्त्री में न्यूज.कॉम.एयू से कहा, ''श्रृंखला अभी जिस मुकाम पर है उसमें मुझे लगता है कि भारत बढ़त पर है। कोई भी विदेशी टीम अगर पर्थ, एडिलेड और ब्रिस्बेन में खेलने के बाद1दृ1 से बराबरी पर हो तो वह इससे प्रेरणा ले सकती है। '' उन्होंने कहा, ''बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले श्रृंखला बराबरी पर रहना भारत के लिए अच्छी स्थिति है। मेरा मानना है कि भारत अपना सीना चौड़ा करके मैदान पर उतर सकता है।'' ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम जिसमें उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी और मार्नस लाबुशेन शामिल हैं, बुमराह के सामने कमजोर नजर आया। यही वजह थी कि ऑस्ट्रेलिया को मैकस्वीनी को बाहर करके युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोन्स्टास को पदार्पण का मौका देने के लिए मजबूर होना पड़ा। शास्त्री ने कहा, ''मुझे अभी ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम कमजोर नजर आ रहा है। भारत ने इसका फायदा उठाया है और वह आगे भी इसका फायदा उठाएगा। श्रृंखला अभी बराबरी पर है और उस व्यक्ति (बुमराह) ने एक तरह से अकेले दम पर भारत को इस स्थिति में पहुंचाया है।

एफएमसीजी उद्योग पर महंगाई का असर जारी

नयी दिल्ली। मुद्रास्फीति के दबाव के बीच बढ़ती मंदी से इस साल अगस्त-अक्टूबर में दैनिक उपभोग की वस्तुओं के (एफएमसीजी) उद्योग की मात्रा वृद्धि सालाना आधार पर 6.4 प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत रह गई है। शोध एवं अंतर्दृष्टि कंपनी कांतार ने अपनी नवीनतम 'एफएमसीजी पल्सश् रिपोर्ट में कहा, इसके अलावा मई-जुलाई की अवधि में एफएमसीजी मात्रा की वृद्धि भी क्रमिक रूप से कम 4.5 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के अनुसार, ''हम आखिरी तिमाही में हैं और अक्टूबर को समाप्त तिमाही तक एफएमसीजी की वृद्धि 4.3 प्रतिशत रही, पिछले वर्ष समान अवधि में वृद्धि 6.4 प्रतिशत रही थी। हालांकि मई-जुलाई की तिमाही की तुलना में इसमें मामूली बढ़त दर्ज की गई जब वृद्धि 4.5 प्रतिशत रही थी। मुद्रास्फीति के बारे में रिपोर्ट में कहा गया, 2022 की अगस्त-अक्टूबर अवधि में पहली बार प्रति परिवार औसत तिमाही खर्च 6,000 रुपए को पार कर गया था और तब से दो साल बाद खर्च में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2024 में इस तिमाही में यह 6,761 रुपए रहा। ग्रामीण बाजार के बारे में कांतार ने कहा, यह भी चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ ''कमजोर प्रदर्शनश् कर रहा है, जो अगस्त-अक्टूबर की अवधि में शहरी बाजार की 4.5 प्रतिशत की वृद्धि से भी कम है।

मोहम्मद शमी की फिटनेस पर बीसीसीआई ने दिया अपडेट, अभी नहीं जाएंगे ऑस्ट्रेलिया

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। दरअसल, बीसीसीआई ने सोमवार को इस तेज गेंदबाज की फिटनेस पर जानकारी दी और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफअगले दो टेस्ट के लिए अनफिट घोषित किया। हाल ही में तीसरे टेस्ट मैच के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के अधिकारियों से शमी की फिटनेस पर स्थिति स्पष्ट करने कहा था और अब भारतीय बोर्ड ने उन्हें अनफिट करार दिया है। शमी को घुटने की चोट के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। शमी पिछले साल वनेड वर्ल्ड कप के बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं और उन्होंने रणजी ट्रॉफी के जरिए मैदान पर वापसी की थी। शमी घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं और बीसीसीआई की मेडिकल टीम लगातार उन पर नजरें रखी हुई थी। बीसीसीआई ने इस बात की पुष्टि की है कि घुटने की चोट के कारण शमी लंबे समय से टीम से बाहर हैं और उन्हें शमी के जल्द पूरी तरह स्वस्थ होने की उम्मीद है। बोर्ड ने शमी की फिटनेस पर जानकारी देते हुए कहा कि, बोर्ड की मेडिकल टीम भारतीय तेज गेंदबाज शमी के साथ करीब से काम कर रही थी जिससे वह जल्द चोट से उबर सकें। शमी टखने की चोट से पूरी तरह उबर चुके थे। शमी ने रणजी ट्रॉफी में मध्यप्रदेश के खिलाफबंगाल के लिए 43 ओवर गेदंबाजी की। इसके अलावा उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सभी 9 मैच खेले, जहां वह अतिरिक्त गेंदबाजी सत्र में शामिल हुए जिसेस टेस्ट मैच के लिए फिट हो सकें।

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में कराया गया भर्ती

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। कांबली की तबियत एक बार फिर से बिगड़ गई है। जिसके बाद उन्हें ठाणे के आकृति अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर्स फिलहाल उनकी देखभाल कर रहे हैं। हाल ही में विनोध कांबली का एक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इस वीडियो में वह सचिन तेंदुलकर के साथ नजर आए थे, जिसमें वह काफी बीमार दिख रहे थे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें कांबली हॉस्पिटल में एडमिट नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके सभी जरूरी टेस्ट किए जाने रहे हैं और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। कांबली ने हाल ही में एक यूट्यूब चौनल पर इंटरव्यू दिया था कि वो गंभीर यूरिन इंफेक्शन से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से पिछले महीने बेहोश हो गए थे और वीडियो वायरल हो गया था। बता दें कि, कांबली को कई तरह की बीमारियां हैं उन्हें हार्ट अटैक भी आ चुका है। वहीं विनोद कांबली के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत 1991 में वनडे से हुई थी। इसके बाद उन्होंने टीम इंडिया के लिए टेस्ट डेब्यू 1993 में किया था। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर के दौरान टीम इंडिया के लिए कुल 17 टेस्ट और 104 वनडे मैच खेले हैं। टेस्ट में उन्होंने कुल 1084 रन बनाए हैं और वनडे में उनके नाम 2477 रन दर्ज हैं।

बुमराह से बचने का इस पूर्व दिग्गज के पास है उपाय, ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफबढ़ाया मदद का हाथ

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच खेला जाएगा। अभी तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत दोनों टीमों के बीच तीन मैच खेले जा चुके हैं जिसमें अभी तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर है। वहीं इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे बड़ा जोखिम जसप्रीत बुमराह रहे हैं। बुमराह ने अभी तक तीनों टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट झटके हैं। बुमराह के खिलाफजहां ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेबस नजर आए हैं वहीं पूर्व क्रिकेटर सामन कैटिच ने अपनी टीम के बल्लेबाजों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। कैटिज ने मेजबान टीम को सलाह दी है कि वे बुमराह के खिलाफ सफल होने के लिए स्ट्राइक रोटेट करने और मजबूत डिफेंस पर

दक्षिण अफ्रीका की नजरें पाकिस्तान को टेस्ट श्रृंखला में हराकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने पर

सेंचुरियन । पाकिस्तान के खिलाफबृहस्पतिवार से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला जीतकर दक्षिण अफ्रीका की नजरें विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल में जगह पक्की करने पर लगी हैं। दक्षिण अफ्रीका को लॉडर्स पर अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल में जगह बनाने के लिये इस चक्र के बाकी दो में से एक टेस्ट जीतना जरूरी है।

जसप्रीत बुमराह ने रच दिया इतिहास, अश्विन के बाद ऐसा करने वाले बने दूसरे भारतीय गेंदबाज

मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन के परिणामस्वरूप,

भारत के उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह ने न केवल मैदान पर बल्कि मैदान के बाहर भी अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा है। टेस्ट क्रिकेट में नवीनतम आईसीसी रैंकिंग के अनुसार, बुमराह ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक प्राप्त किए, क्योंकि भारतीय अगुआ ने 904 अंकों के साथ शीर्ष पर अपना शासन बढ़ाया। 904 किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा हासिल किए गए सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंक भी हैं क्योंकि बुमराह ने आर अश्विन की बराबरी की। दुनिया के पांचवें नंबर के टेस्ट गेंदबाज के रूप में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म करने वाले अश्विन ने 2016 के घरेलू टेस्ट सीजन के दौरान 904 अंक हासिल किए थे। वरिष्ठ अधिकारी ने इसे 789 रेटिंग अंक पर रद्द कर दिया। बारिश से प्रभावित गाबा टेस्ट में नौ विकेट लेने वाले बुमराह ने अभी तक अपने टेस्ट करियर में 10 विकेट लेने का कारनामा नहीं किया है, लेकिन मौजूदा ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में पहले ही 21 विकेट ले चुके हैं, ऐसा लगता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।